

क्या यह आपातकाल है?

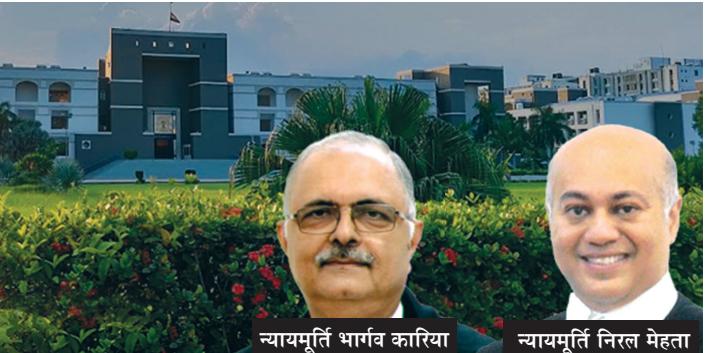
गुजरात हाई कोर्ट
की इनकम टैक्स
विभाग को फटकार

महानिदेशक समेत
आठ अधिकारियों को शोकॉज नोटिस

सामना संचादाता / अमदाबाद

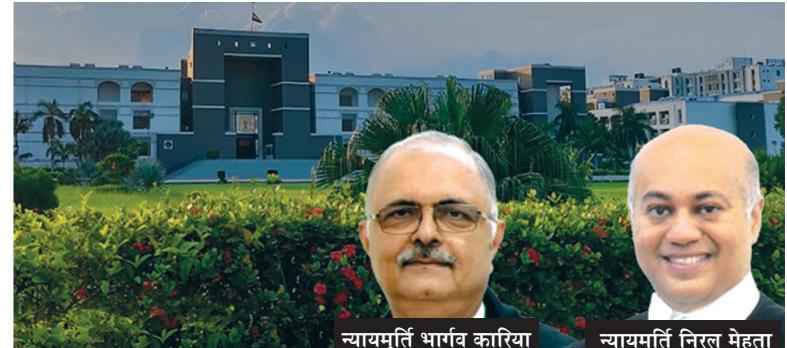
कहीं भी, कभी भी, किसी के भी घर, दुकान, व व्यावसायिक स्थान पर अंधार्घुंघा छापेमारी करने पर गुजरात हाई कोर्ट ने शुक्रवार को आयकर विभाग को फटकार लगाई। एक वकील के दफतर पर छापा मारकर दस्तावेज जब्त करने और उसके परिवार को हिरासत में लेने के मामले में हाई कोर्ट ने यह कड़ी फटकार लगाई है। क्या यह आपातकाल समय है? अचानक ऐसी छापेमारी कैसे हुई? क्या वे पुलिस हैं? वहां वकील के संवेदनशील दस्तावेज थे। उन दस्तावेजों को कैसे हाथ लगाया? ऐसे सवाल उठाते हुए हाई कोर्ट ने आयकर विभाग के महानिदेशक समेत आठ अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर १८ दिसंबर तक जवाब देने को कहा है।

अपने अधिकारों का दुरुपयोग करने वाले संबंधित



न्यायमूर्ति भागव कारिया

न्यायमूर्ति निरल मेहता



हाई कोर्ट ने क्या कहा

वकीलों के कार्यालयों में उनके क्लाइंट के महत्वपूर्ण दस्तावेज हो सकते हैं। आईटी विभाग के अधिकारी उन दस्तावेजों को कैसे छू सकते हैं? उन्होंने अपने अधिकार का दुरुपयोग किया है।

-अगर ऐसी कार्रवाई जारी रही तो देश में कोई भी प्रोफेशनल व्यक्ति सुरक्षित नहीं रहेगा। हम १९७५-७६ के आपातकाल में नहीं जी रहे हैं, जहां आप कहीं भी जा सकते हैं और जो चाहे कर सकते हैं।

-अचानक छापेमारी क्यों की गई, इस बारे में अधिकारी विस्तार से जवाब दें, नहीं तो घर का रास्ता साफ है।

(बाकी पेज २ पर)

डेमोक्रेसी की हो गई बाईपास सर्जरी!

महुआ की संसद सदस्यता
जाने पर भड़की ममता बनर्जी

सामना संचादाता / कोलकाता

महुआ मोइत्रा की संसद सदस्यता रद्द होने पर टीएमसी की अध्यक्ष व पश्चिम बंगला की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भड़क गई। टीएमसी की नेता महुआ मोइत्रा की संसद सदस्यता रद्द होने पर उन्होंने कहा कि ये गणतंत्र की हत्या है। उन्होंने लोकसभा के फैसले के कुछ मिनटों के भीतर कहा, 'डेमोक्रेसी की बाईपास सर्जरी हो गई है'।



ममता बनर्जी ने कहा कि महुआ को अपने बचाव में बोलने का भी अवसर नहीं दिया गया। एक महिला को भाजपा ने अपने राजनीतिक हित साधने के लिए जिस तरह परेशान किया, वह लोकतंत्र की हत्या है। पार्टी महुआ मोइत्रा के साथ थी और है। इससे एक बार फिर भाजपा की प्रतिहिंसा की राजनीति साबित हो गई। उल्लेखनीय है कि महुआ मोइत्रा के पूर्व पार्टनर और सुप्रीम कोर्ट के वकील जय अनंत देहांद्रेने उन पर संसद में धूस लेकर सवाल पूछने का आरोप लगाया था। इस संबंध में जाच के लिए उन्होंने सीबीआई के महानिदेशक को पत्र भेजा था, जिसके साथ उन्होंने कई साथ शामिल किए थे। देहांद्रेने शिकायत के आधार पर झारखंड के गोड्डा से भाजपा सांसद निश्चिकांत दुबे ने महुआ मोइत्रा पर आरोप लगाया कि हीरानंदानी समूह के सीईओ दर्शन हीरानंदानी से कैश और माहंगे तोहफे लेकर संसद में सवाल पूछती हैं।

(बाकी पेज २ पर)

'शिंदे गुट' के ही २३ विधायकों के हस्ताक्षर!

सूरत-गुवाहाटी
प्रवास पर लांडे-
कदम का मौन

पेज २

एक ही मामले में केंद्रीय जांच एजेंसियों के अलग हैं राग

'ईडी'-‘सीबीआई’ के आरोपों में विरोधाभास!

सामना संचादाता / नई दिल्ली

केंद्रीय जांच एजेंसियां किस तरह आंख मुंदकर काम करती हैं, इसकी पोल कल सुप्रीम कोर्ट ने शुल्कर रख दी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली शराब नीति मामले में एक आरोपी बेनॉय बाबू को जमानत देते हुए महत्वपूर्ण टिप्पणी की और कहा कि इस मामले में 'ईडी' व 'सीबीआई' के आरोपों में विरोधाभास है।

बता दें कि बेनॉय बाबू एक शराब रिटेलर के कार्यकारी हैं। दिल्ली लिकर स्कैम मामले में आरोपियों को

दिल्ली लिकर स्कैम पर सुप्रीम कोर्ट की महत्वपूर्ण टिप्पणी



सकते हैं बेनॉय बाबू को प्रवर्तन निदेशालय ने १० नवंबर २०२२ को गिरफ्तार किया था और वह न्यायिक हिरासत में हैं। सुप्रीम कोर्ट ने जांच एजेंसियों की दलिलों में विसंगतियां पाई हैं। इस सुनवाई के दौरान यह अंतर भी नोट किया गया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि 'सीबीआई' जो आरोप लगा रही है और 'ईडी' जो आरोप लगा रहा है, उनमें विरोधाभास है। ये सही नहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सुनवाई के दौरान कहा, 'हमें नहीं पता कि यह मामला कैसे आगे बढ़ेगा।'

(बाकी पेज २ पर)

ये भाजपा के अंत की शुरुआत है!

सांसदी जाने पर महुआ का हमला
सामना संवाददाता / नई दिल्ली

तृणमूल कांग्रेस नेता महुआ मोइत्रा
की संसद सदस्यता कल रद्द कर दी
गई है। लोकसभा में सवाल पूछने के
लिए पैसे लेने के मामले में गुरुवार को



एथिक्स कमेटी
ने रिपोर्ट पेश
की। चर्चा के
बाद रिपोर्ट
को धन्नि मत
से मंजूरी दे
दी गई। इसके
बाद लोकसभा
अध्यक्ष ने मोइत्रा

के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की।
सदस्यता रद्द होने के बाद महुआ ने कहा
कि उनके साथ अन्याय हुआ है और यह
भाजपा के अंत की शुरुआत है। भारतीय
जनता पार्टी के सांसद निशिकांत दुबे ने
महुआ मोइत्रा पर गंभीर आरोप लगाए
हैं। दुबे ने आरोप लगाया था कि महुआ
मोइत्रा लोकसभा में सवाल पूछने के
लिए पैसे ले रही हैं और जांच की मांग
की थी। इसके बाद एथिक्स कमेटी
ने जांच के अंत में रिपोर्ट सौंपी और
उनकी लोकसभा सदस्यता रद्द करने की
सिफारिश की। एथिक्स कमेटी की ओर
से सौंपी गई रिपोर्ट पर शुक्रवार को चर्चा
हुई। बहस के दौरान टीएमसी, कांग्रेस
और विपक्षी सांसदों ने मांग की कि
महुआ मोइत्रा को बोलने का मौका दिया
जाए, लेकिन भाजपा सांसदों के विरोध
करने पर स्पीकर ने मांग खारिज कर
दी और मोइत्रा को निलंबित कर दिया।
अपने निलंबन के बाद सत्तारूढ़ भाजपा
की आलोचना करते हुए मोइत्रा ने कहा
कि संसद कंगारू कोटि बन गई है। ये
भाजपा के अंत की शुरुआत है।

पश्चिम रेलवे

निर्माण कार्य

उप मुख्य अधिकारी (बाध), पश्चिम रेलवे, ४ वीं
मंजिल, स्थानक इमारत, चर्चेट, मुंबई - ४०००२०
एक लिपाका पद्धति में निविदा क. उप मुख्य अधिकारी,
(सी.)/सीसीएस/३४/२ के लिये एक लिपाका पद्धति
अंतर्गत इन्विटेशन पोर्टल www.wrreps.org.in के
जीये प्रस्ताव मांग रहे हैं। कार्य का नाम : दावर
के यहां ओरी क्विंडिंग का निर्माण। निरामान
शुल्क : रु. १,२२,६६,६४,७. बोली सुधार:
रु. १,८२,०००/- बोलीकण्ण शूरू दिनांक:
१९.१२.२०२३ बोली समाप्ति दिनांक :
०२.०१.२०२४ के दिन १५.०० बजे। निविदा
कागजाद खुलना : ०२.०१.२०२४ के दिन
१५.३० बजे। ०९३१

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

स्वारस्य अभियन्ता

पश्चिम रेलवे पर माल दुलाई वृद्धि के लिए प्राविन्द्रिक सलाहकार सेवाओं के लिए प्रबंधन सलाहकार की नियुक्ति के लिए रुचि की अभियन्ता (ईओआई) आमंत्रित करने की सुचना। यह ईओआई दस्तावेज पश्चिम रेलवे द्वारा प्रकाशित किया गया है। इस ईओआई दस्तावेज का उद्देश्य इच्छुक पार्टीयों को प्रासंगिक जानकारी प्रदान करना और योजना के बायरो को सम्पादन और इच्छुक और योग्य "पार्टीयों" से इसके लिए वज्र कोटेशन प्रस्तुत करना है। पार्टीयों को सलाह दी जानी की ओर योग्य नोटिस के लिए वज्र कोटेशन जमा करने से फलते हुए ईओआई दस्तावेज का सामान्यपूर्ण अध्ययन करता है। इस ईओआई दस्तावेज के प्रतिवाचनों की प्रतिक्रिया के लिए वज्र कोटेशन का उपयोग निकट भविष्य में जारी होने वाली निविदा और प्राप्ति विवरकारिताओं के लिए किया जा सकता है।

ईओआई प्रस्तुतीकरण का आखरी दिनांक : ईओआई के लिये प्रस्ताव/प्रतिसाद यहां भेजें।

ईओआय खुलने का दिनांक 27.12.2023 के दिन १५.३० बजे।

ईओआय डाउनलोड करने लिये वेबसाईट www.wr.indianrailways.gov.in

934

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly | हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

'एकनाथ' को गट नेता पद से हटाने के लिए 'शिंदे गुट' के हस्ताक्षर!

विधायकों के अयोग्यता मामले की सुनवाई

राजन पारकर / नागपुर

'वर्षा' बंगले पर २९ जून २०२२ को तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्घव ठाकरे द्वारा आयोजित बैठक में एकनाथ शिंदे को गुट नेता पद से हटाने के लिए शिंदे गुट के ही २३ विधायकों के हस्ताक्षर किए थे। इस तरह की बातें देवदत्त कामत ने कल सुनवाई के दौरान सम्पन्न रहीं। इसलिए क्रॉस एक्जामिन का सामना करनेवाले दिलीप लांडे और योगेश कदम की हवा निकल गई। बैठक के पहले ही हस्ताक्षर लिए जाने की बात कह लांडे ने समय व्यतीत करने की कोशिश की, जबकि कदम ने कहा कि हस्ताक्षर तो हमारे जैसे ही दिया रहे हैं, लेकिन ऐसे कागज पर हस्ताक्षर करना याद नहीं।

विधायक अयोग्यता की याचिका पर सुनवाई में कल शिंदे गुट के दिलीप लांडे और योगेश कदम का शिवसना (उद्घव बालासाहेब ठाकरे) के बकील एड. देवदत्त कामत ने करीब साढ़े छह घंटे तक क्रॉस इक्जामिन किया। इससे 'वर्षा' में बैठक की उपस्थिति पुरितका के संदर्भ में जांच आगे बढ़ी।

सूरत-गुवाहाटी के प्रवास के संदर्भ में देवदत्त कामत ने दिलीप लांडे और योगेश कदम का स्वतंत्र क्रॉस इक्जामिन किया। इस पर दोनों ने मौन बनाए रखने में ही समझदारी समझी। २२ जून २०२२ को आप कहां थे? इस सवाल पर योगेश कदम ने जवाब

दिया कि मैं मुंबई के बाहर था। एड. कामत ने इस पर पूछा कि मुंबई के बाहर कहां थे? इसका जवाब देते हुए कदम ने कहा कि मैं सुबह सूरत और उसी रात गुवाहाटी में था। इस पर कामत ने फिर सवाल पूछा कि क्या आप सूरत और गुवाहाटी में एकनाथ शिंदे के साथ गए थे? उस पर उहाँने उत्तर हां में दिया। फिर कामत ने सवाल किया कि कितने दिनों तक गुवाहाटी में रहे? मुंबई में कब वापस लौटे? उस पर जवाब आया, 'तारीख मुझे याद नहीं है।' गुवाहाटी में जिस समय आप थे, उस समय कितने विधायक थे? इस पर कदम ने कहा कि कहा कि मेरे साथ २९ विधायक थे। कामत ने फिर सवाल किया कि आपने गुवाहाटी जाने के लिए विमान का टिकट खुद निकाला था? उसके पैसे आपने दिए थे? इस पर कदम ने कहा कि यह मेरा व्यक्तिगत मामला है, उसे मुझे सार्वजनिक नहीं करना है। फिर से कामत ने सवाल किया कि गुवाहाटी के होटल का नाम क्या है? उस पर भी उहाँने कहा कि यह मेरा व्यक्तिगत मामला है, इस पर मुझे ज्यादा नहीं बोलना है। यह जवाब मिलते ही एड. कामत ने एक बार फिर सवाल किया कि गुवाहाटी में भाजपा सरकार ने एकनाथ शिंदे और उनके समर्थक विधायकों को सुरक्षा दी थी क्या? इसका जवाब देते हुए योगेश कदम ने कहा कि मुझे ऐसा नहीं लगता।



सूरत-गुवाहाटी प्रवास पर लांडे-कदम का मौन

डेमोक्रेसी की... (पेज १ का बाकी)

उहाँने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से महुआ मोइत्रा को निलंबित करने की मांग की। इस मामले को लेकर संसद की एथिक्स कमेटी ने जांच की और महुआ से पूछताछ हुई थी। दार्जिलिंग के कर्सियांग में महुआ पर ममता बनर्जी ने कहा, 'मैं आपको बता रही हूं कि महुआ परिस्थितियों की शिकाय हुई है।' मैं इसकी कड़ी निदा करती हूं। हमारी पार्टी टीएमसी महुआ के साथ है। हमारी पार्टी 'ईंडिया' गठबंधन के साथ मिलकर लड़ेंगी। यह लोकतंत्र के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। मुझे भाजपा का रवैया देखकर दुख हो रहा है। उहाँने लोकतंत्र को कैसे धोखा दिया। उहाँने महुआ को अपना रुख स्पष्ट करने की अनुमति नहीं दी। सरासर अन्याय हुआ है।' उहाँने कहा कि हर दल को समय नहीं दिया गया। ८४५ पत्रे के कागज को पढ़ने के लिए समय तक नहीं दिया। महुआ इस लड़ाई को जीतेंगी और हम उसके साथ हैं। जनता भाजपा को करारा जवाब देंगी और महुआ को जिताएंगी। ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल की दार्जिलिंग पहाड़ियों और मैदानी इलाकों में रहने वाले लोगों के बीच 'गहरे संबंधों' को रेखांकित करते हुए शुक्रवार को कहा कि उनके बीच 'कलह के बीज बोने की कौशिश' करने वाले सफल नहीं होंगे।

'ईंडी' - 'सीबीआई' के... (पेज १ का बाकी)

दिल्ली की राज एवेन्यू अदालत द्वारा दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले से संबंधित मनी लॉन्डिंग मामले में अतरिम चिकित्सा जमानत देने से इनकार करने के दो दिन बद बाबू को सुश्रीम कोर्ट से राहत मिली। कोर्ट ने कहा कि मेडिकल आधार पर साड़े चार महीने की अंतरिम जमानत देना उचित नहीं है और आरोपी गंभीर मामले में हिरासत में है। अदालत ने कहा कि मनी लॉन्डिंग मामले की गंभीरता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है और बेनायू बाबू की नियमित जमानत अर्जी न केवल राज एवेन्यू कोर्ट ने बल्कि हाई कोर्ट ने भी खारिज कर दी थी।

क्या यह... (पेज १ का बाकी)

डर के साथ में सभी

अगर ऐसी कार्रवाई जारी रही तो कल सभी लोग भय के साथ में जिएंगे। कोर्ट ने टिप्पणी की कि आईटी विभाग के वकील भी सुरक्षित नहीं होंगे। क्या आईटी विभाग के अधिकारी पुलिस अधिकारी हैं? वे वकील के कार्यालय से दस्तावेज के साथ जब तक कर सकते हैं? हाई कोर्ट ने कहा कि वे वकील की आय को प्रभावित नहीं कर सकते, वकील जो भी कर रहा है, वह उसके अधिकार के दायरे में है।

सार्वजनिक रूप से मांगे माफी

वकील को आईटी विभाग द्वारा की गई कार्रवाई पर कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन जिस तरह से कार्रवाई की गई वह बहुत गलत है। जब तक कि ए दस्तावेज लौटाएं और अपने किए के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। हाई कोर्ट ने आईटी अधिकारियों से सख्त शब्दों में कहा, हम आपकी कार्रवाई का हिस्सा नहीं बन सकते। साथ ही कारण बताओ नोटिस जारी कर १८ दिसंबर तक जवाब देने का आदेश दिया है।

ऑर्डर ऑर्डर... फैसला देते समय जज्जा अपने विचार न रखें!

कोलकाता हाई कोर्ट के न्यायाधीश को सुप्रीम कोर्ट की नसीहत हाई कोर्ट ने कहा था, 'किशोरियां यौन इच्छाओं पर नियंत्रण रखें'

सामना संवाददाता / कोलकाता

कोलकाता हाई कोर्ट ने २० अक्टूबर को यौन अपराधी से जुड़े पांसी के एक मामले में फैसला सुनाते हुए कहा था, 'किशोरियों को अपनी यौन इच्छाओं पर नियंत्रण रखना चाहिए। वे दो मिनट के सुख के लिए समाज की नजरों में गिर जाती हैं।' कल शुक्रवार ८ दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट के जरिस अभ्यर्थी और योग्य उपराजनकारी विवादों के बीच एक बैठक हो गई है। इस बैठक के बीच ये बातें उपराजनकारी विवादों के लिए किया जा सकता है।

फैसले को टीनएजर्स के आर्टिकल २९ के अधिकारों का उल्लंघन बताते हुए कहा कि जज से उम्मीद नहीं की जाती है कि वे फैसला सुनाते हुए वर्त अपने विचार व्यक्त करें। सुप्रीम कोर्ट ने राज सरकार को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने पूछा कि अगर फैसले के खिलाफ कोई अपील फाइल हुई हो तो हमें बताया जाए। कोलकाता हाई कोर्ट में जर्सिस चित्ररंजन दास और जर्सिस पार्थ सारथी सेन की बैंच ने एक लड़के को

नावालिंग गलफ्रिंड से यौन उत्तीर्ण मामले में बरी करते हुए ये टिप्पणियों की थीं। दोनों टीनएजर्स के बीच प्रेम संबंध था और उहाँने सहमति से संबंध बनाए थे। डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने लड़के को पॉक्सो एक्ट के तहत दोषी घोषित किया गया। जेल की सजा सुनाई थी। इस फैसले के खिलाफ वह हाई कोर्ट पहुंचा था। हाई कोर्ट ने लड़कों को नसीहत की किशोरों की युवतियों, महिलाओं की गरिमा और शारीरिक स्वायत्ता का सम्मान करना चाहिए। बैंच ने ९६ साल से अधिक उम्र के किशोरों के बीच सहमति से बने संबंधों को अपराध की श्रेणी से हटाने का सुझाव दिया था।



बालासाहेब का नाम दिया है याद रखो!



- महामार्ग बनाए, लेकिन सुविधाओं की समृद्धि कब आएगी?
- विधायक अनिल परब का सरकार से नाराजगी भरा सवाल

सामना संवाददाता / मुंबई

हिंदूहृदयसम्राट् शिवसेनाप्रमुख श्री बालासाहेब ठाकरे का नाम समृद्धि महामार्ग को दिए हैं, इसे याद रखें। महामार्ग तो कहा दिए, लेकिन उस पर लोगों के लिए सुविधाओं की समृद्धि कब आएगी? इस तरह का नाराजगी भरा सवाल कल विधान परिषद में शिवसेना विधायक एड. अनिल परब ने सरकार से किया।

समृद्धि महामार्ग पर लगातार ही दुर्घटनाओं को लेकर विधान परिषद में अंजित पवार गुट के विधायक अमोल मिट्टकरी द्वारा ध्यानाकर्षण प्रस्ताव लाया गया। उस पर हुई चर्चा में विधान परिषद के नेता प्रतिपक्ष अंबादास दानवे और अनिल परब ने भी हिस्सा लेते हुए समृद्धि पर मौजूदा खामियों को गिनाया।

समृद्धि महामार्ग पर ९९ दिसंबर से ३१ अगस्त २०२३ तक इन नौ महीनों में ८६० दुर्घटनाएं हुईं और उसमें ९१२ लोगों की जानें गई हैं। १४ अक्टूबर को भी एक टक और टेपो ट्रैक्टर की दुर्घटना में ९२ लोगों की मौत



जल्द करें होटल, पेट्रोल पंप की व्यवस्था

अंबादास दानवे ने दादा भूसे के जवाब पर आपत्ति जताते हुए वार्ताविक स्थिति रखी। उन्होंने कहा कि संबंधित टेपो ट्रैक्टर में लोहे के विरिकेट्स लगाकर बैठने की व्यवस्था की गई थी। इसका मतलब यह है कि वाहन की जांच ही नहीं हुई है। जिसने गाड़ी को धक्का मारा उस पर भी मामला काफी समय बीतने के बाद दर्ज किया गया। समृद्धि पर वाहनों को खड़ा करने की व्यवस्था ही नहीं है। जिसके कारण वाहन चालक अपनी सुविधा के अनुसार वाहनों को खड़ा करते हैं और उसके लिए जितना भी जुर्माना लगे, उसे भरने की तैयारी उनकी रहती है। उन्होंने सुझाव दिया कि इसलिए जल्द से जल्द इस महामार्ग पर फूड मॉल, होटल पेट्रोल पंप की व्यवस्था की जानी चाहिए। उस पर भूसे ने आश्वासन देते हुए कहा कि महामार्ग पर एक से डेढ़ महीने में जरूरी सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी।

दिया गया था। साथ ही १७ यात्रियों की पासिंग के बावजूद उसमें ३४ यात्री थे। इसके अलावा ट्रक चालक पर भी मामला दर्ज किया गया है। समृद्धि पर अब तक ६० लाख वाहनों का आवागमन हुआ है। साथ ही उसमें से ७३ वाहन बड़ी दुर्घटनाओं के शिकार हुए हैं।

टेंडर के लिए शुरू है मारामारी

सड़क दुर्घटनाओं में महाराष्ट्र का नंबर ऊपर है, यह कहते हुए अनिल परब इस दुर्घटना में दो पुलिस अधिकारियों का काई भी दोष न होते हुए निलंबित किए जाने की कार्रवाई की बात को सदन के संज्ञान में लाए। इसके लिए उन्होंने सीसीटीवी फुटेज के सबूत भी दिए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि केवल कार्रवाई दिखाने के लिए उनको बत्ति का बकरा बनाया गया। उन्होंने यह भी कहा कि महामार्ग बनने के साथ ही सारी सुविधाएं भी मिलनी चाहिए, लेकिन टेंडर कौन लेगा इसे लेकर मारामारी चल रही है?

राष्ट्रवादी पार्टी पर किसका अधिकार, फैसला सुरक्षित

- चुनाव आयोग के समक्ष सुनवाई हुई पूरी
- एक सप्ताह में दोनों गुटों को देना होगा हलफनामा

सामना संवाददाता / मुंबई

राष्ट्रवादी पार्टी (एनसीपी) पर मालिकाना हक किसका और सिंबल किसका होगा इस पर केंद्रीय चुनाव आयोग में चल रही सुनवाई पूरी हो गई है। दोनों गुटों के वकीलों की बहस के बाद केंद्रीय चुनाव आयोग ने नतीजा सुरक्षित रख लिया है। चुनाव आयोग ने सुनवाई के बाद दोनों गुटों को एक सप्ताह के अंदर लिखित शपथ पर दाखिल करने का आदेश दिया है। शुक्रवार को अंजित पवार गुट की ओर से वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी और नीरज किशन कौल ने दलीलें दीं, तो शरद पवार के गुट की ओर से वकील अभिषेक मनु

सिंघी ने दलीलें दीं। दोनों गुटों के वकीलों की बहस के बाद आयोग ने सुनवाई पूरी होने की बात कहते हुए फैसला सुरक्षित रख लिया।

इस बारे में वकील अभिषेक मनु सिंघी ने कहा कि एनसीपी को लेकर कल की बहस खत्म हो गई है। अब फैसला चुनाव आयोग के हाथ में है। अंजित पवार गुट ने आयोग के समक्ष स्पष्ट किया है कि संगठन की राय पर विचार नहीं होना चाहिए। इससे यह स्पष्ट है कि उनके पास कोई संगठन नहीं है जो उनकी हार का संकेत है। वे आयोग में जन प्रतिनिधियों की संख्या पर भी विचार करने को गलत मानते हुए कहते हैं कि पार्टी के जनप्रतिनिधियों में वर्ष २०१९ से विवाद चल रहा था।

नाकाम है 'घाती' सरकार!

- रोजाना ४० नवजातों की हो रही मौत
- राज्य का स्वास्थ्य तंत्र हुआ फेल

सामना संवाददाता / नागपुर

महाराष्ट्र में प्रतिविनियोग ४० नवजातों की मौत का चौकानेवाला आंकड़ा सामने आया है। अक्टूबर की रिपोर्ट के अनुसार इसमें से दो तीन्हाई यानी कीरीब २५ से अधिक नवजात एक महीने से भी कम आये के हैं। बता दें कि यह मुद्दा शोतकालीन सत्र के दौरान कल विधानसभा में उठा।

कार्रवाई के दौरान भाजपा विधायक आशीष शेलार ने ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के तहत प्रदेश में रोजाना हो रही नवजात शिशुओं के मौत का मुद्दा उठाया। इस दौरान उन्होंने सवाल किया कि राज्य में बड़ी संख्या में हो रही बच्चों की मौत को रोकने के लिए सरकार द्वारा किस तरह के कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि इस सवाल को लेकर दिए गए अपने लिखित जवाब में स्वास्थ्य विभाग ने कहा था कि स्वास्थ्य व्यवस्था उपलब्ध है। फिर भी मौतें क्यों हो रही हैं। इस पर स्वास्थ्य मंत्री तनाजी सावंत ने कहा कि राज्य में एक साल के लिए उन्होंने कहा कि किस तरह उन्होंने बच्चों की मौत होती है।

फिर भिड़े भाजपा-शिंदे गुट!

श्रीकांत शिंदे का व्यवहार ठीक नहीं

स्थानीय विधायक शिंदे गुट के खिलाफ हुए हमलावर

सामना संवाददाता / शाणे

तीन राज्यों में भाजपा की प्रचंड जीत को लेकर भाजपाइयों में प्रचंड उत्साह नजर आ रहा है। इसी उत्साह के बीच अब कल्याण पूर्व के भाजपा विधायक गणपत गायकवाड़ ने कल्याण लोकसभा सीट पर भाजपा की जीत का जश्न मनाया था। गायकवाड़ ने शुरू कर दिया है। इतना ही नहीं गायकवाड़ ने मुख्यमंत्री सासद पुत्र श्रीकांत शिंदे को गढ़वार तक कह दिया। अब भाजपा के इस वक्तव्य का मनसे के कल्याण ग्रामीण के विधायक राजू पाटिल ने भी समर्थन करते हुए सांसद शिंदे पर भाजपा विधायक गणपत गायकवाड़ ने एक एक्स पोस्ट (ट्रैवीट) कर कहा कि जिन्होंने गद्दारी की जीत होगी। इसके बाद एक बार फिर भाजपा-शिंदे गुट के बीच विवाद सामने आया तो वहीं इस प्रकरण में मनसे भाजपा के साथ खड़ी



नजर आ रही है।

बता दें कि राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के चुनावों में भाजपा को भारी जीत मिलने पर कल्याण-पूर्व में भाजपा विधायक गणपत गायकवाड़ और पदाधिकारियों ने एक दूसरे को मिटाई खिलाकर जीत का जश्न मनाया था। गायकवाड़ ने इस दौरान कहा कि जीत का बाबा शिंदे गुट के बीच विवाद करते हुए गया है। यही कारण है कि उनका अन्य पार्टी के जन प्रतिनिधियों से व्यवहार ठीक नहीं है। इससे अब एक बार फिर भाजपा-शिंदे गुट के उत्तरी दलों के जन प्रतिनिधियों के साथ व्यवहार ठीक नहीं है।

भाजपा विधायक ने श्रीकांत शिंदे को कहा गद्दार

इसी बीच सांसद श्रीकांत शिंदे को जबाब देते हुए विधायक गणपत गायकवाड़ ने एक एक्स पोस्ट (ट्रैवीट) कर कहा कि जिन्होंने गद्दारी के जरिए कम समय में अपार धन और सत्ता हासिल की है अब उनकी जर ने पूरी दुनिया एक जोकर है। उनका अन्य दलों के जन प्रतिनिधियों के साथ व्यवहार ठीक नहीं है।

कल्याण लोकसभा सीट चर्चा में आ गई है क्या भाजपा इस सीट पर अपना उम्मीदवार खड़ा करेगी। हालांकि इस सवाल पर संसद श्रीकांत शिंदे ने गायकवाड़ के बयान को पब्लिसिटी स्टंट करार देते हुए उनका बिना नाम लेते हुए कहा कि 'उनके बयान को मनोरंजन के तौर पर लिया जाना चाहिए'। सूत्रों की मानें तो संसद श्रीकांत शिंदे पर भाजपा विधायक गणपत गायकवाड़ और कल्याण ग्रामीण के विधायक राजू पाटिल को मात देने के लिए शिवसेना शिंदे गुट ने अभी से रणनीति बनाना शुरू कर दिया है। कल्याण पूर्व में विधायक गायकवाड़ के काट के रूप में कल्याण-पूर्व के शहर प्रमुख महेश गायकवाड़ को आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी करने का निर्देश दिया है।



मौसम की अठखेलियां पड़ रही हैं भारी सर्दी-खांसी और बुखार के लिए हैं मुंबईकर

धीरेंद्र उपाध्याय / मुंबई

मुंबई और महाराष्ट्र समेत पूरे हिंदुस्थान में मौसम अठखेलियां खेल रहा है। ऐसे में कहीं धूप खिल रही है, तो कहीं बेतहाशा गर्मी से पर्सीने छूट रहे हैं तो कहीं बारिश ने परेशान कर रखा है। फिलहाल, इस समय सबसे चिंता का विषय प्रदूषण बना हुआ है, जो लोगों को मार ही डाल रहा है। इन सबके बीच मुंबई में सर्दी-खांसी और बुखार के मामलों में बहुत तेजी से बढ़ती हुई है। ये मुंबईकरों की परेशानियों को बढ़ा रहे हैं। आलम यह है कि शहर के अस्पतालों की ओपीडी में मरीजों की कतरें लगने लगी हैं। ऐसे में चिकित्सक सलाह दे रहे हैं कि मरीज बिना डॉक्टरी सलाह के किसी भी तरह की दवा न लें, ऐसा करना उनके लिए भारी पड़ सकता है।

विपरीत मौसम का असर स्वास्थ्य पर

मुंबई में लोग सुबह में ठंड, दोपहर में गर्मी और रात में फिर ठंड का अनुभव कर रहे हैं। इसके विपरीत माहाल का असर

ओपीडी में लगी मरीजों की कतार

नागरिकों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है और मरीजों की संख्या में वृद्धि हुई है। इसके साथ ही मरीज सर्दी, खांसी और वायरल बुखार की शिकायतों को लेकर अस्पताल में पहुंच रहे हैं। बुखार १०१ से १०२ डिग्री तक पहुंच रहा है। जेजे अस्पताल में प्रोफेसर डॉ. मधुकर गायकवाड़ ने कहा कि हाल-फिलहाल में

डॉंगे और मलेरिया के मामले बहुत कम हो गए हैं। ऐसे में मरीजों को इन बीमारियों और वायरल बुखार, सर्दी-खांसी के बीच का अंतर पता नहीं है।

इन बातों का ख्याल रखना जरूरी

डॉ. मधुकर गायकवाड़ ने कहा कि इस समय बीमारियों से बचने के लिए गर्म पाना व उचित आहार लेना चाहिए। तैलीय और वसायुक्त भोजन के सेवन से बचें। ठंड मौसम में बाहर निकलते समय कान ढंक लें। सुबह की धूप में बैठें और व्यायाम करें। साथ ही संतुलित आहार खाएं। इतना ही नहीं ठंड से बचने के लिए गर्म कपड़े पहनें, साथ ही यदि आवश्यक हो तो डॉक्टर से बचना है। तो अपने स्वास्थ्य का उचित ध्यान रखना आवश्यक है।

रोजाना आ रहे २० से २५ मरीज

डॉ. मधुकर गायकवाड़ ने कहा कि मुंबई में इस समय सर्दी-खांसी और बुखार के २० से २५ मामले रोजाना सामने आ रहे हैं। इन मरीजों में नाक बहने, खुजली, वायरल फीवर, कफ, कोलंड और सीजनल एलर्जी के मामले बढ़ गए हैं। इसका मुख्य कारण मौसम में अचानक आ रहे बदलाव को बताया जाता है। इसके अलावा श्वसन तंत्र में संक्रमण भी हो रहा है। यह बीमारी हर उम्र के लोगों में देखी जा रही है। उन्होंने कहा कि यदि हमें इनसे बचना है तो अपने स्वास्थ्य का उचित ध्यान रखना आवश्यक है।

कैंसर मरीजों को बांटे कंबल

मुंबई 'प्रारंभ' संस्था ने टाटा अस्पताल में कैंसर का इलाज करा रहे सैकड़ों मरीजों और उनके परिजनों को कंबल बांटे। दादर स्थित श्री घाडगे महाराज मिशन धर्मशाला परिसर में कैंसर पीड़ित मरीजों को आरव ग्रुप के चेयरमैन व प्रारंभ संस्था के प्रमुख नितिन तिवारी ने स्वयं मरीजों और उनके परिजनों से मुलाकात की और उन्हें कंबल वितरण किया। इस मौके पर नितिन तिवारी ने कहा कि प्रारंभ संस्था का यह सामाजिक प्रयास है और भविष्य में भी प्रारंभ संस्था गरीबों और जस्तर मदों की मदद के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करेगी। इसके पूर्व भी संस्था कैंसर पीड़ित मरीजों के इलाज के लिए अर्थिक मदद करती आई है। इस अवसर पर आरव ग्रुप की डायरेक्टर रीना तिवारी व संस्था से जुड़े अन्य लोग भी उपस्थित थे।

एनिमल और डॉ. ऑर्थो के बीच भागीदारी

चंडीगढ़। संदीप रेही वांगा स्वर निर्देशित फिल्म एनिमल एक्शन, श्रिल, इमोशन और रोमांस से भरपूर फिल्म है। जिसमें रणबीर कपूर (रणविजय सिंह), रश्मिका मंदाना (गीतांजलि), अनिल कपूर (बलबीर सिंह) और बोबी दे ओल (विराज सुर्वे) के साथ-साथ शक्ति कपूर अहम भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी पिता और पुरुष के रिश्ते की है। फिल्म एनिमल और आयुर्वेदिक ब्रांड डॉ. ऑर्थो की कोब्रांडिंग हुई है। फिल्म के कामयाब होने की शुभकामनाएं देते हुए एंटरप्रार्नोर और इन्वेस्टर डॉ. संजीव जुनेजा ने बताया कि जैसे एक पुत्र अपने पिता की केयर करता है, ठीक उसी तरह से डॉ. ऑर्थो आयुर्वेदिक तेल भी जोड़ों की केयर करता है और हर दर्द से लड़ता है।

सात महीने में एसी लोकल में पकड़े गए ४४ हजार से अधिक बिना टिकट यात्री

सामना संवाददाता / मुंबई

पश्चिमी रेलवे ने एसी लोकल ट्रेनों में बिना टिकट यात्रा करते हुए ४४,२२९ यात्रियों को पकड़ा गए हैं। यानी औसतन प्रतिदिन अनधिकृत यात्रा के औसतन १८० मामले सामने आए हैं। अप्रैल से नवंबर-२०२३ तक पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल डिविजन की एसी उपनगरीय ट्रेन सेवाओं में अवैध यात्रा के कुल ४४,२२९ मामले पाए गए। यह पिछले वर्ष की इसी अवैध की तुलना में ६५.९६ प्रतिशत की पर्याप्त वृद्धि दर्शाता है, जबकि पिछले साल २६,६५० मामले सामने आए थे। बता दें कि अवैध यात्रियों से वेस्टर्न रेलवे ने १.४६ करोड़ की जुर्माना राशि वसूल किया, जबकि पिछले वर्ष कुल ८७,२८,५६८ की राशि वसूल की गई थी। इस साल अप्रैल से नवंबर के बीच पश्चिम रेलवे के मुंबई डिविजन में अवैध यात्रा के कुल ५७१,०६९ मामले पाए गए हैं, जबकि पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल डिविजन के उपनगरीय खंड में वातानकूलित और गैर वातानकूलित सहित अनधिकृत यात्रा के ५,३२,६२२ मामले दर्ज किए गए थे।



चैत्यभूमि में लगा नेत्र उपचार शिविर

मुंबई। युवासेना सहस्रित्र एवं चर्मोद्योग कामगार सेना के अध्यक्ष मयूर कांडले के माध्यम से इस बार भी भारतीय संविधान के शिल्पकार, बोधिसत्त्व, महामानव, परमपूज्य डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर वैदेशी वैदिक विद्यार्थी ने चैत्यभूमि में आयोजित कामगार सेना के लिए निश्चल नेत्र नेत्र उपचार शिविर का आयोजन किया गया।



यह अवैध यात्रियों से वेस्टर्न रेलवे के अवैध यात्रियों से आयोजित किया गया यह अवैध यात्रा ४० वर्षों से अधिक समय से आयोजित किया जा रहा है। इस साल भी हजारों भीम अनुयायियों ने इस सेवा का लाभ उठाया। इस अवसर पर शिवसेना (उद्घव बालासाहेब ठाकरे) पक्ष के सचिव सार्वान्ध दुर्ग, विभागप्रमुख महेश सावंत, विधानसभा संगठक श्रद्धा जाधव, सहित कई शिवसैनिक और भीम अनुयाई उपस्थित थे।

डंक - कमलेश पांडेय 'तरुण'

गायब होते बच्चे!

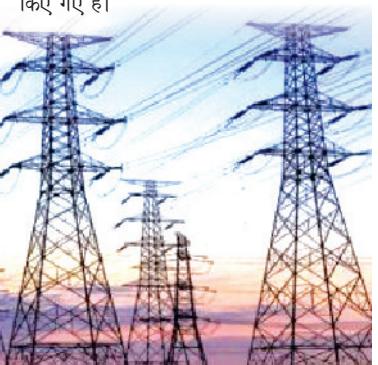
नहीं थम रहा सिलसिला, गुम होने का यार। बच्चे गायब हो रहे, हर दिन ही दो-चार।। हर दिन ही दो-चार, शिकायतें सतत आ रहीं। पुलिस कह रही, सीसीटीवी खंगाली जा रही।। परेशान पैरेंट्स हैं, नाबालिंग हलकान। घर से बाहर निकलना, रहा नहीं आसान।।



बिजली ग्राहकों को लगेगा करंट प्रति यूनिट १० से ३० पैसे की हुई बढ़ोत्तरी

सामना संवाददाता / भिंडवी

महावितरण ने उपभोक्ताओं पर ईंधन समायोजन शुल्क में बढ़ोत्तरी कीया है, जिसके कारण बिजली बिल में प्रति यूनिट १० से ३० पैसे से लेकर २० तक बढ़ जाएंगे। जिसका अधिभार पावर कंज्यूमर्स पर पड़ेगा। इसे लेकर सरकार के प्रति लोगों में आक्रोश बढ़ गया है। महावितरण ने ३० सितंबर को परिपत्र जारी किया था, जिसमें सितंबर के बिल के बीच महीने के लिए ईंधन समायोजन शुल्क (एफएसी) लगाने का निर्देश दिया था। तदनुसार, प्रति यूनिट दर के अलावा उपभोक्ताओं को उनके बिल में उत्तर शुल्क अतिरिक्त रूप से लागू किया गया



बढ़ सकती है शारीरिक-मानसिक समस्या

रहे दर्द के कारण पीठ के ऊपरी हिस्से में दर्द शुरू हो जाता है, जो समय बीतने के साथ ही बढ़ता जाता है। मोबाइल और लैपटॉप इस्तेमाल करनेवाले लोग जो लंबे समय तक एक ही स्थिति में बैठते रहते हैं, उनके हाथों की ताकत भी कम हो जाती है।

बढ़ सकते समय मोबाइल देखना

रात को सोने से एक-दो घंटे पहले मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। लेकिन अगर कोई जरूरी काम हो तो सोते समय फोन का न देखें तो बेहतर है, क्योंकि इससे गर्दन की ताकत और आंखों पर तनाव

पड़ता है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि मोबाइल की नीती रोशनी का नीद पर असर ज्यादा खतरनाक होता है। अगर ये चीजें होती रहीं तो परिणाम गंभीर हो सकते हैं। इसलिए सोते समय फोन का इस्तेमाल न ही किया जाए तो बेहतर है।

इन समस्याओं का करना पड़ सकता है सामना

जेजे अस्पताल में ईएनी विभाग के प्रमुख डॉ. श्रीनिवास चक्रवाण ने कहा कि गर्दन की कोई नस दब जाए तो हाथों में झुनझुनी, अकड़न, सुन्त्रता आ सकती है। दूसरी तरफ हाथ में मोबाइल देखने के लिए आप गर्दन नीचे झुकाते हैं, जिससे गर्दन में खिंचाव, सिरदर्द, गर्दन में दर्द, कंधे और बांह में दर्द होता है। इसके अलावा सांस लेना भी मुश्किल हो सकता है। ऑर्थो सर्जन डॉ. शेर सिंह ककड़ ने बताया कि गर्दन झुकने को टेक्स्ट नेक सिंड्रोम भी कहते हैं।

बरतनी चाहिए सावधानी

डॉक्टरों के मुताबिक कभी भी गर्दन को १५ से २० मिनट से ज्यादा एक स्थिति में रखें। १५-२० मिनट बाद स्थिति बदल लेनी चाहिए। जिस प्रकार नियमित व्यायाम, जिम जाना, पैदल चलना आवश्यक है। उसी तरह गर्दन की मांसपेशियां लगातार संकुचन की स्थिति में रहती हैं। इसके साथ ही महसूस होता है कि शर्करा वानी पीना, प्रोटीन लेना, आहार में बी १२ बढ़ाना फायदेमंद है।

मोदी राज में जेब कटे सरे बाजार!

जनता महंगाई से हो रही बेजार

सामना संवाददाता / मुंबई

हिंदुस्थान में मोदी राज आने के बाद से ही जनता को हर साल बढ़ रही महंगाई से दो-चार होना पड़ रहा है। इस शासन में जीवन जीने के लिए अत्यावश्यक

रुपए और मांसाहारी थाली के लिए १,९८० रुपए खर्च करने पड़ेंगे। यह जानकारी महंगाई दरों पर नजर

थाली की कीमत में ५ से १०% का इजाफा

क्रिसिल की रिपोर्ट आई सामने

अनाज, सब्जी, दवाइयों समेत सभी बुनियादी जहरतों की वस्तुएं महंगी हो गई हैं। मोदी राज में जनता की न केवल सरे बाजार जेब कट रही है, बल्कि लोग इससे बेजार हो चुके हैं। इस बीच नवंबर महीने से जनता पर महंगाई की फिर से मार पड़ी है, जिसमें शाकाहारी और मांसाहारी थाली की कीमतों में ५ से १० फीसदी की वृद्धि हुई है। इसके तहत हर पांच सदस्यीय परिवार को महीने में अनुमानतः शाकाहारी थाली के लिए ४,५४५

रुपए और खरीफी सीजन के दौरान अनियमित बारिश के कारण उत्पादन कम होने से व्याज और टमाटर की कीमतें बढ़ी हैं।



थाली की बढ़ी कीमत

रिपोर्ट में कहा गया कि मांसाहारी थाली की कीमतें शाकाहारी थाली की तुलना में धीमी गति से बढ़ीं, क्योंकि ब्रॉयलर चिकन की कीमतों में १-३ प्रतिशत की मामूली गिरावट आई, जो मांसाहारी थाली की कीमतों का ५० प्रतिशत है। अक्टूबर में मांसाहारी थाली की कीमत ५८.२ रुपए थी जो नवंबर २०२३ में बढ़कर ६९.२ रुपए हो गई और शाकाहारी थाली की कीमत अक्टूबर में २७.५ रुपए थी, जो नवंबर २०२३ में बढ़कर ३०.३ रुपए हो गई।

बढ़ने और खरीफी सीजन के दौरान अनियमित बारिश के कारण उत्पादन कम होने से व्याज और टमाटर की कीमतें बढ़ी हैं।

कीमतें बढ़ने के ये हैं कारण

साल भर में व्याज और टमाटर की कीमतों में क्रमशः ९.३ प्रतिशत और १५ प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि शाकाहारी थाली की कीमतों में साल भर में ९ प्रतिशत की वृद्धि हुई है। शाकाहारी थाली की कीमतों का ९ प्रतिशत हिस्से के रूप में शामिल दालों की कीमतों में भी इस वर्ष के दौरान २९ प्रतिशत की वृद्धि हुई है। ऐसे में मांसाहारी की तुलना में शाकाहारी थाली अधिक महंगी हुई है।

दाऊद से लेन-देन रखनेवाले पटेल को लेकर आपका क्या है रुख?

अंबादास दानवे का फडणवीस से तीखा सवाल

सामना संवाददाता / मुंबई

नवाब मलिक का देश्वरोहियों से संबंध होने की वजह से उन्हें अजीत पवर के बगल में सरकारी बैच पर बैठने का आपने विरोध किया। आप नैतिकता और राष्ट्रवाद को लेकर कितने पक्के हैं यह इससे दिखाई दिया, लेकिन अजीत पवर गुट के राष्ट्रीय



नेता प्रफुल्ल पटेल की गृह मंडी अमित शाह से मुलाकात की तस्वीर सामने आई है। इस बीच पटेल ने गोंदिया हवाईअड्डे पर प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। पत्र में दानवे ने फडणवीस को बताया है कि इन्हीं पटेल के दाऊद और उसके गुर्गों से संबंध हैं और दाऊद के खास गुर्गों के साथ पटेल के वित्तीय लेन-देन के कारण पटेल की संपत्ति 'ईडी' ने जब तक रही है। नवाब मलिक को लेकर आपकी जो भावना है, वैसी ही भावना प्रफुल्ल पटेल को लेकर है क्या? इसका खुलासा आपकी तरफ से होना जरूरी है। हालांकि, दानवे ने इस पत्र में आगे कहा है कि उन्हें उमीद है कि इस संबंध में उचित कार्रवाई की जाएगी।

नवाब मलिक शीतकालीन सत्र के पहले ही दिन विधानसभा में सत्ताधारी बैच पर जाकर बैठे थे। उसके बाद फडणवीस ने उपमुख्यमंत्री अजीत पवर को पत्र लिखकर तीव्र विरोध व्यक्त किया था। कल दानवे ने फडणवीस को पत्र लिखकर प्रफुल्ल पटेल को लेकर भी रुख स्पष्ट करने की मांग की। पत्र में उन्होंने कहा कि विधानसभा सदस्य नवाब मलिक को लेकर आके द्वारा व्यक्त की गई तीव्र भावना पद्धत आनंद हुआ।

किसानों के मुद्दे पर सामने आए सरकार

सत्र के दूसरे दिन विपक्ष की गूंजी लालकार

सामना संवाददाता / मंबई

एक और जहां राज्य के किसान बड़े संकट से जूझ रहे हैं, वहीं राज्य सरकार मस्ती में दिख रही है। राज्य के किसान इतने संकट में हैं कि अब वे अपने अंग बेचने को मजबूर हैं, लेकिन यह निष्क्रिय सरकार सिर्फ घोषणा करती है कि हमने

के खिलाफ जमकर बयान दिया। कांग्रेस, शिवसेना (उद्घव बालासाहेब ठाकरे) पक्ष और एनसीपी के विधायकों ने सीधियों पर संयुक्त रुप से प्रदर्शन किया। हाथों में किसानों की तमाम फसलों की लेकर सरकार का ध्यान खींचने का प्रयास किया। इस दौरान विधान परिषद के विपक्ष नेता अंबादास दानवे ने कहा कि यह सरकार निर्दियी हो गई है। राज्य के किसानों के भले की सीधने की बजाय कुछ चुनिदा लोगों के बारे में ही सोच रही है। उन्होंने कहा कि सरकार को

किसानों के मुद्दों पर चर्चा करानी होगी।

किसानों के मुद्दे पर चर्चा चाहते हैं

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटेल ने कहा कि राज्य पर ७ लाख करोड़ रुपए का कर्ज है और किसानों से भी वह कर्ज बमोजियों तो किसानों को भुगतान करने में आनाकानी क्यों कर रहे हैं? नाना पटेल ने किसानों का मुद्दा उठाते हुए कहा कि हम यहां किसानों और जनता के मुद्दे पर चर्चा करने आए हैं, भ्रम पैदा करने नहीं। हम भ्रम पैदा कर सकते थे और काम बंद कर सकते थे, लेकिन हम चर्चा करना चाहते हैं। कपास, धान, संतरा, सोयाबीन, अंगूर, याज, होनेवाली आय से कोई किसान संपुष्ट नहीं है, उन्हें भारी नुकसान हुआ है, अब चर्चा ही चाहिए।

सदन में विपक्ष नेता विजय वडेशीवार

ने सरकार का धेराव करते हुए कहा कि किसानों के मुद्दों पर चर्चा नहीं हुई तो हमें चर्चा में कोई दिलचस्पी नहीं है। विपक्ष इस चर्चा में भाग नहीं लेता। सदन के बाहर सीधियों पर विपक्षी दलों ने मिलकर सरकार विरोधी नारे लगाए और सरकार

'घाती' सरकार के रहमोकरम पर सरकारी अस्पताल सितम ढाता हेपेटाइटिस-बी बीमारी के मामले में तीसरे स्थान पर महाराष्ट्र

सामना संवाददाता / मुंबई

'घाती' सरकार हेपेटाइटिस-बी सामाजिक सेवा से दावा करते आ रही है कि मुंबई समेत प्रदेश के सभी सरकारी अस्पतालों, खासगंधी क्रमशः ५ और १० प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि शाकाहारी थाली की कीमतों में साल भर में ९ प्रतिशत की वृद्धि हुई है। शाकाहारी थाली की कीमतों का ९ प्रतिशत क्रमशः ५८.२ फीसदी और ३५ फीसदी की बढ़ोत्तरी के साथ ही थाली की कीमत भी बढ़ गई है। क्रिसिल ने अपनी रिपोर्ट में यह भी कहा है कि इस साल त्योहारी सीजन के दौरान मांग

बीमारियों की तरह ही हेपेटाइटिस-बी सेतीजा से फैल रहा है। आलम यह है कि हेपेटाइटिस-बी इस कदर सितम ढा रहा है कि पूरे देश में इस बीमारी के मामले में महाराष्ट्र तीसरे स्थान पर है, जो स्वास्थ्य विभाग को चिंता में डाल रहा है।

उल्लेखनीय है कि 'घाती' सरकार के राज में प्रदेश में स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों और दवाखानों में चिकित्सकों से लेकर स्वास्थ्य कर्मियों, मेडिकल उपकरणों और दवाओं की

किलत है। प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग के अधीनस्थ आनेवाले अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में पर्याप्त संसाधन न होने के कारण सही तरीके से मरीजों का इलाज नहीं हो पा रहा है। इस फेहरिस्त में हेपेटाइटिस-बी भी शामिल है। एक आंकड़े के मुताबिक, बीते पांच सालों में हिंदुस्थान में इस बीमारी के ४.५० लाख से अधिक लोग बीमारी से पीड़ित पाए गए। इनमें से करीब तीन लाख मरीज ९० रुपयों से थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जुलाई २०१८ से सितंबर २०२३ के बीच दर्ज किए गए ३९,९२८ हेपेटाइटिस मामलों के साथ महाराष्ट्र तीसरे स्थान पर है। इसके बाद ३९,०५९ मामलों के साथ साराजस्थान दूसरे और ४७,२५५ मामलों के साथ मध्य प्रदेश शीर्ष स्थान पर है।

राज्य स्वास्थ्य विभाग के अनुसार महाराष्ट्र की ९९ करोड़ आबादी में से ६ से ९ फीसदी आबादी हेपेटाइटिस-बी से और ०.५ से १ फीसदी आबादी हेपेटाइटिस सी से संक्रमित हो सकती है।

राज्य स्वास्थ्य विभाग के अनुसार महाराष्ट्र की ९९ करोड़ आबादी में से ६ से ९ फीसदी आबादी हेपेटाइटिस-बी से और ०.५ से १ फीसदी आबादी हेपेटाइटिस सी से संक्रमित हो सकती है।

नागपुर में कांग्रेस का विधान भवन पर धावा!

● पुलिस हिरासत में प्रदेश अध्यक्ष नाना पटेले

● महंगाई, बेरोजगारी के खिलाफ था मोर्चा

किसानों के जख्म पर नमक छिक्र किसानों ने कहा कि सरकार

महंगाई और किसानों के मुद्दों को नजरअंदाज करने के लिए कुछ भी कर रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सरकार किसानों के जख्मों पर नमक छिक्र कर रही है। गुरुसाए कार्यक्रमालयों ने की बैरिकेट्स हटाने की कोशिश युवाओं को मांग को लेकर मार्च ने विधान भवन पर धावा बोला गया। इससे गुरुसाए कार्यक्रमालयों के विधान भवन का धेराव करने से पहले ही पुलिस ने उन्हें रोक दिया। इसके बाद पुलिस ने सभी को हिरासत में लेना शुरू कर दिया, जिसके बाद कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटेले आक्रमक हो गए। आखिरकार, पुलिस ने पटेले समेत सैकड़ों कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया।

भवन पर धावा बोला गया। इससे गुरुसाए कार्यक्रमालयों के विधान भवन का धेराव करने से पहले ही पुलिस ने उन्हें रोक दिया। इसके बाद पुलिस ने सभी को हिरासत में लेना शुरू कर दिया, जिसके बाद कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटेले आक्रमक हो गए। आखिरकार, पुलिस ने पटेले समेत सैकड़ों कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया।

वंदे भारत पर पथराव सवार थे गृहमंत्री!

सामना संवाददाता / अमदाबाद

एक बार फिर से वंदे भारत पर



रेलवे की सुरक्षा पर फिर उठे सवाल

पथराव हुआ है। यह पथराव गुजरात में उस समय हुआ जब ट्रेन अमदाबाद से राजकोट जा रही थी। हैरान करनेवाली बात यह है कि इसी ट्रेन में गृहमंत्री हर्ष सांघवी भी यात्रा कर रहे थे। इस घटना के बाद से अधिकारियों में हड्डीकप मच गया। आनन्दफानन में रेलवे पुलिस और रेलवे सुरक्षा बलों ने जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि जिस जगह पथराव हुआ वहां रेलवे ट्रैक के आसपास झुग्गी-झोपड़ी की बरती है। घटना के बाद आला अधिकारी मोरबी रोड पर रेलवे ट्रैक के पास झुग्गी बस्ती में पहुंच और पथराव करने वालों की तलाश शुरू कर दी। साथ ही पुलिस भी झुग्गियों में रहनेवाले लोगों से पूछताछ कर रही है। वहां रेलवे अधिकारी इस घटना की शरारती तत्वों की हरकत बता रहे हैं। इस संबंध

'स्थानीय स्तर पर हो परीक्षाएं' -शिवसेना

सामना संवाददाता / जम्मू

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पक्ष की जम्मू-कश्मीर इकाई ने कों मन यूनिवर्सिटी एंट्रेस टेस्ट-२०२४ के परीक्षा केंद्रों को स्थानीय यानी राज्य व जिला स्तर पर निर्धारित करने तथा स्थानीय छात्रों को प्रवेश में वरीयता देने की मांग की। पार्टी इकाई प्रमुख मनीष साहनी समेत अन्य पदाधिकारियों ने जम्मू सचिवालय में मुख्य सचिव अटल दुल्लू से मुलाकात कर उन्हें अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन दिया। साहनी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर समेत हर राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेश के कॉलेजों एवं विश्वविद्यालयों में प्रवेश का पहला हक वहां के स्थानीय छात्रों का होना चाहिए। साथ ही साहनी ने सीयूईटी परीक्षा केंद्रों को राज्य व जिला स्तर पर निर्धारित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि २०२३ में जम्मू-कश्मीर के करीब २४,००० छात्रों को अन्य राज्यों में सीयूईटी परीक्षा केंद्र मिले थे, जिस कारण छात्रों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा कि सैकड़ों छात्र परीक्षा केंद्रों तक भी नहीं पहुंच सके थे। साहनी ने बताया कि मुख्य सचिव ने उक्त मांगों पर विचार करने का आश्वासन दिया।

प्लॉटफॉर्म पर एसी ट्रेन लेती है ज्यादा समय एसी लोकल में महिलाओं के लिए अधिक सीटों की ज़रूरत

अभिषेक कुमार पाठक / मुंबई

मुंबई रेल विकास निगम (एमआरवीसी) द्वारा प्रस्तुत की गई एक अंतर्रिम रिपोर्ट में एसी लोकल ट्रेनों में महिलाओं के लिए अधिक सीटें बनाने, बैठने की व्यवस्था को नया स्वरूप देने, लगेज के लिए जगह बनाने, फास्ट लाइनों पर भी एसी ट्रेनों को शामिल करने और रुकने के समय में तुरंदि करना आदि की बात की गई है। रिपोर्ट में एसी और नॉन-एसी लोकल ट्रेनों के किराए को लेकर काफी अंतर बताया गया है। इसके अलावा रिपोर्ट में एसी लोकल में महिलाओं के लिए सीटें मौजूदा ९३ प्रतिशत से बढ़ाकर ९९ प्रतिशत करने का प्रस्ताव दिया गया है। नॉन-एसी लोकल में वर्तमान में २३ प्रतिशत सीटें रिजर्व हैं।

अन्य मेट्रो ट्रेनों में ज्यादा रिजर्व होती हैं सीटें

आमतौर पर मेट्रो ट्रेनों में कुल सीटों का ३०-४० प्रतिशत महिलाओं के लिए आरक्षित होती है। कम से कम २४

प्रतिशत ट्रेनों का फास्ट लाइन

पर चलती है। नॉन-एसी

ट्रेन के मामले में लोगों द्वारा

ट्रेन रुकने के बाद पुरा समय

उतरने और चढ़ने में इस्तेमाल

किया जाता है, जबकि एसी

ट्रेन के मामले में उतरने और

चढ़ने का समय कम हो जाता

है। एसी ट्रेन का दरवाजा



लोगों को पसंद आ रही है टॉय ट्रेन

मुंबई के नजदीकी माथेरान के सुंदर हिल स्टेशन मुंबई ही नहीं अन्य राज्यों में रहनेवाले लोगों का भी पसंदीदा पर्यटन स्थल है। यहां पर समय रेलवे द्वारा चलाए जाने वाली टॉय ट्रेन जो नेरेल/अमन लॉज और माथेरान के बीच चलती है। वह न केवल पर्यटकों के लिए एक आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करती है बल्कि, लोगों के लिए काफी क्रिकेटी और पसंदीदा भी है। बताया जाता है कि अप्रैल से नवंबर २०२३ तक इन शटल सेवाओं में ३, ३४, ०४२ यात्रियों ने यात्रा की। इन यात्रियों की वजह से २, ३६ करोड़ का राजस्व मध्य रेलवे ने अर्जित किया है।

महिला को डायन बता पीटा और पिलाया मैला!

सामना संवाददाता / नई दिल्ली

२१वीं सदी में जहां एक तरफ चंद्रमा की जमीन पर तिरंगा लहरा रहा है तो वहीं दूसरी तरफ कुछ ऐसी भी घटनाएं सामने आती हैं जो न केवल सिहरन पैदा करती हैं बल्कि सोचने पर भी मजबूर कर देती हैं। बिहार के मधुबनी से मानवता को शर्मसार करने वाली एक घटना सामने आई है। यहां कुछ लोगों ने एक महिला को डायन बताकर उसकी पिटाई कर दी। यहीं नहीं लोगों का इतने पर भी मन नहीं भरा तो महिला को मैला भी पिलाया दिया गया। इस पूरी घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो सामने आने के बाद एसपी के आदेश के बाद १२ लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

● वीडियो हुआ वायरल

● १२ लोग गिरफ्तार

आरोपियों की गिरफ्तारी की गई। पीड़िता ने थाने में दिए गए अपने आवेदन में बताया है कि गांव के ही रहनेवाले कुछ लोग उसे डायन बता कर गाली-गलौज और मारपीट करने लगे। बीच-बचाव करने पहुंचे पीड़ित महिला के बेटे और बहु को भी पीटा गया। पीड़िता की माने तो दर्जन भर आरोपियों ने मिलकर पहले उसे पीटा फिर जमीन पर पटककर बाली में रखे मैला को उड़ेकर उसे पिलाया। इस दौरान सैकड़ों लोग तमाशीबन बन देखते रहे। किसी ने दबंगों के कहर से महिला को बचाने की हिम्मत नहीं की। उसके बाद परिजनों ने पीड़िता को अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया।

एसपी ने दिए कार्रवाई के आदेश

मामले में एसपी सुशील कुमार ने बताया कि मामले में एसपी सुशील कुमार ने बताया कि एसपी के आदेश के बाद १२ लोगों को गिरफ्तार किया गया है।



मीडियो से मिला है। इसमें देखा गया है कि दो से तीन लोगों के द्वारा महिला को जबरन मैला पिलाया जा रहा है। इस वीडियो में जो भी नजर आ रहे हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई की गई है और १२ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बता दें कि ऐसा पहली बार नहीं है जब बिहार में किसी महिला को डायन बताकर लोगों ने उसके साथ अभ्रता की हो, ऐसे मामले लगातार सामने आते रहते हैं।

१५६ बैग में मिले ₹२२० करोड़

ओडिशा में ३ दिनों से जारी आईटी की रेड

सामना संवाददाता / भुवनेश्वर

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट पिछले तीन दिनों से ओडिशा के एक शाराब बनाने वाले समूह से जुड़ी अलग-अलग कंपनियों पर छापेमारी कर रहा है। छापेमारी के तीसरे दिन कैश से भरे १५६ बैग बरामद किए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, तीसरे दिन करीब २० करोड़ रुपए गिने गए हैं। आयकर विभाग ने अब तक कुल २२० करोड़ रुपए बरामद कर लिए हैं। आयकर विभाग की तरफ से ये छापे संबलपुर, बोलांगी, टिटिलागढ़, बौध, सुंदरगढ़, राउरकेला और भुवनेश्वर में मारे गए हैं। हालांकि, आईटी की इस कार्रवाई को लेकर डिस्टिलरी कंपनी की तरफ से अब तक कुछ भी प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। रिपोर्ट के अनुसार, जिस कंपनी पर कार्रवाई जारी है वह देश की सबसे बड़ी शाराब बनाने और बेचने वाली कंपनियों में से एक है। पूर्व आईटी कमिशनर शराब चंद्र दास ने कहा है कि यह ओडिशा में आयकर विभाग की अब तक की सबसे बड़ी नकदी जड़ी हो सकती है। राज्य में इतनी बड़ी मात्रा में नकद बरामद होते हुए मैंने कभी नहीं देखा।

मैंग्रोव नष्ट कर शहर बसाने की योजना

पर्यावरण प्रेमियों ने जारी किया

गोविंद पाल / नई मुंबई

एक तरफ जहां नई मुंबई महानगरपालिका तथा राज्य सरकारें स्वच्छ शहर और हरित शहर का नारा दे रही हैं तो वहीं दूसरी तरफ नई मुंबई की किनार पट्टी में बैस न्हावा-शेवा इलाके के मैंग्रोव को नष्ट किया जा रहा है। वहां पर समय लगभग ६-९० सेकंड है। रिपोर्ट के अनुसार, लोगों के लिए एक ग्रीन ट्रैक के लिए एक लाइन बनायी गई है। इसके बाद इलाके के मैंग्रोव सूखे जाते हैं। इसके बाद मैंग्रोव को ड्रेनीज डालने वालों के काटकर जमीन को समतल बना दिया जाता है। न्हावा-शेवा में रहनेवाले कुछ जागरूक लोगों ने अब इसके काटकर जमीन को नाम दिया है। यह भी बताया जा रहा है कि शहर के समुद्र और वर्नों के नाम से जुड़े हैं। इसके बाद मैंग्रोव को ड्रेनीज डालने वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। यह भी बताया जा रहा है कि शहर के समुद्र और वर्नों को नष्ट करने की मुहिम में न केवल कुछ रसुखदार सताधारी दल के नेता शामिल हैं, बल्कि सिड्को के अधिकारी और कर्मचारी भी शामिल हैं। यही कारण है कि लोग धड़िले से मैंग्रोव को नष्ट कर रहे हैं। उल्लंघन के पास तो खाड़ी की जगह पर मैंग्रोव हटाकर उद्यान बना रहे हैं। न्हावा-शेवा में रहने वाले

भाजपा अपनी सीटें बढ़ाने के लिए ला रही है
जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम!



सामना संचादाता / जम्मू नेशनल कॉर्फेस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने बृहस्पतिवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी गई है और अभी इस पर फैसला लंबित है, इसलिए केंद्र सरकार को इस कानून में संशोधन नहीं करना चाहिए। नेशनल कॉर्फेस के नेता ने पुलावामा में पत्रकारों से कहा कि विधेयक पर हमारी आपतियां दो मुद्दों पर हैं। पहला यह कि उच्चतम न्यायालय ने (राज्य के) पुनर्गठन पर अपना फैसला नहीं सुनाया है और वे सरकार इसमें बदलाव पर बदलाव ला रहे हैं। दूसरी आपति विधानसभा सीटों के मनोनयन के जरिए भरने को लेकर है। इससे स्पष्ट रूप से सेवें पैदा होता है कि यह भाजपा की मदद करने के लिए किया जा रहा है, क्योंकि भाजपा चुनाव नहीं जीत सकती है इसलिए वे अपनी सीटों की संख्या बढ़ाने की कोशिश कर रही हैं।

दरअसल, लोकसभा ने जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक पारित किया है, जिसके बाद उमर अब्दुल्ला ने यह टिप्पणी की है। विधेयक कश्मीरी प्रवासी समुदाय के दो सदस्यों और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीरी (पीओके) के विस्थापित लोगों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक व्यक्ति को विधानसभा में मनोनीत करने का प्रावधान करता है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि इसे चुनी हुई सरकार पर छोड़ देना चाहिए। यह विधेयक उपराज्यपाल को मनोनयन का अधिकार देता है। हालांकि, अब्दुल्ला ने कहा कि जब जम्मू-कश्मीरी में विधानसभा चुनाव होंगे तो उसके बाद चुनी हुई सरकार बदलावों को रद्द कर सकती है। पीड़ीपी के अदालत का दरवाजा खटखटाने पर विचार करने के बारे में अब्दुल्ला ने कहा कि नेशनल कॉर्फेस पहले ही जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम को शीर्ष अदालत में चुनौती दे चुकी है। अब अदालत जाना पीड़ीपी की शायद मजदूरी है, क्योंकि जब हमने पांच अगस्त २०१९ (के फैसले) के खिलाफ शीर्ष अदालत में मामला दायर किया था, तब उन्होंने (पीड़ीपी ने) उच्चतम न्यायालय का रुख नहीं किया था, तब पीड़ीपी चुप थी।

जीरो टॉलरेंस 'टांय-टांय फिरस'

मनोज श्रीवास्तव / लखनऊ

कानून व्यवस्था के नाम पर २०२२ में लौटी भाजपा की सरकार एनसीआरबी की रिपोर्ट से बैकफुट पर आ गई है। इसको लेकर विषयक हमलावर मूड में आ गया है। डीजीपी ने गुरुवार को वीडियो कॉर्नेसिंग के दौरान सभी पुलिस अधिकारियों को अपराधियों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। यूपी में हत्या और रेप के मामले में लखनऊ कमिशनरेट लगाम लगाने में नाकाम रहा है। जीरो टॉलरेंस टांय-टांय फिरस हो गया है। एनसीआरबी की रिपोर्ट के मुताबिक, २०२२ में लखनऊ में ९३९ हत्या और ९५६ रेप के मामले दर्ज हुए, जबकि कानूनपुर दूसरे और गाजियाबाद तीसरे नंबर पर रहा है। यहां पर हत्या की वारदातें पिछले साल की अपेक्षाकृत कीरी दोगुनी हुई हैं।

यूपी की स्वास्थ्य व्यवस्था बदहाल शव भी सुरक्षित नहीं!



मोर्चरी में रखे शव को जानवरों ने नोचा

पहले भी सामने आए हैं कई मामले

मनोज श्रीवास्तव / लखनऊ

राज्य में शवों को सुरक्षित रखने के लिए सभी सरकारी अस्पतालों में मोर्चरी हास्प बनाए गए हैं। मोर्चरी में किसी दूर्घटना, मर्डर या आत्महत्या के दौरान हुई मौत के बाद डेढ़बॉडी को सुरक्षित रखा जाता है, लेकिन अब मोर्चरी में भी बॉडी सुरक्षित नहीं हैं। यहां मोर्चरी में रखे शव की कभी उंगली तो कभी आंख गायब हो जाती है। अब नया मामला झांसी मेडिकल कॉलेज परिसर में स्थित मोर्चरी में रखे शव को आवारा जानवरों ने नोच डाला। मृतक के परिजनों ने बताया कि शव की आंखें पूरी तरह से नोची हुई थीं, जिसे देखकर वह बुरी तरह से डर गए और तुरंत ही उन्होंने अस्पताल प्रशासन को इसकी सूचना दी। अस्पताल प्रशासन द्वारा इसकी जांच कराई जा रही है।

मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के करौरा थाना क्षेत्र में रहने वाले ४२ वर्षीय संजय जैन का शव पोस्टमार्टम के लिए आया था। मृतक के परिजनों ने बताया कि संजय जैन अविवाहित थे और मानसिक स्पष्ट से बीमार रहते थे। उन्होंने कोई जहरीला पदार्थ खा लिया और उनकी हालत खराब हो गई। इसके बाद उन्हें झांसी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। डॉक्टरों ने उनके शव को पोस्टमार्टम के लिए रख दिया था। परिजन जब शव को देखने पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे तो उन्होंने देखा कि शव की आंखें पूरी तरह से नोची हुई थीं। शव को ऐसी स्थिति में देखकर वे बुरी तरह से डर गए और तुरंत अस्पताल प्रशासन को इसकी सूचना दी।

शव रखने का बॉक्स टूटा

मृतक के भाई सुनील जैन ने बताया कि मुबह ८ बजे बॉडी आई थी। लगभग साढ़े ९ बजे जब हम बॉडी को देखने आए तो उनके शव को पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे



नोचने के निशान थे।

शव की दोनों आंखों पर गहरे जख्मों के निशान थे। शव रखने का बॉक्स टूटा हुआ था। हम चाहते हैं कि भगवान के लिए कोई जल्द ही पोस्टमार्टम करवा दे।

क्या कहते हैं जिम्मेदार

झांसी मेडिकल के सीएमएस सचिन माहौर ने बताया कि पोस्टमार्टम घर की नाली सुली हुई है, जिसकी वजह से जानवर अंदर घुस गए होंगे। शव

गोरखपुर के अस्पताल में शव को चूहों ने कुतरा

गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज में बने मोर्चरी हाउस में एक महिला की डेढ़बॉडी को रखा गया था। २ दिन बाद शव से आंख गायब थी। मामला सामने आने के बाद सीएमओ डॉक्टर सुधाकर पांडे और आला अधिकारियों ने जांच कराने की बात कही। हालांकि, बाद में आंख को चूहों ने कुतर दिया कहते हुए पल्ला झाड़ लिया गया। दूसरा मामला जनवरी २०१९ का है। एक हादसे में चाइल्ड लाइन कर्मचारी विवेक कुमार की मौत हो गई। इनकी डेढ़बॉडी को पोस्टमार्टम कराने के लिए मोर्चरी हाउस में रखा गया था। पोस्टमार्टम के लिए जब बॉडी निकाली गई तो पता चला कि वे होरे को चूहों ने कुतर दिया है। इस मामले के बाद परिजनों ने हंगामा किया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

को सुरक्षित करने के लिए तीन बॉक्स और एक फ्रीजर दिया जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि शव को जानवरों द्वारा नोचने के पहले भी कई मामले सामने आ चुके हैं, लेकिन अस्पताल प्रशासन ने अब तक कोई कार्रवाई नहीं की।

मायावती का केंद्र सरकार पर तंज मोदी बना रहे हैं गरीबों को मोहताज !

८९ करोड़ जनता सरकारी अनाज पर निर्भर

सामना संचादाता / लखनऊ

कोरोना काल में लॉकडाउन से प्रभावित गरीबों की मदद के लिए केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्वयोजना को शुरू किया था। जब पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव नजदीक आए तो जनता को लुभाने के लिए इस योजना को मोदी सरकार ने पांच साल के लिए बढ़ा दिया। इस योजना को लेकर बसपा सुप्रीमो मायावती ने केंद्र सरकार पर जोरदार तंज कसा है। उन्होंने कहा है कि देश के ८९ करोड़ से अधिक गरीब लोगों को पेट पालने के लिए सरकारी अन्वयोजना के लिए मोहताज बना देने जैसी दुर्दशा न यह आजादी का सपना था और न ही उनके लिए कल्याणकारी संविधान बनाने समय बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर ने सोचा था, यह स्थिति अति-दुखद है।

उन्होंने कहा कि चुनाव के समय माहौल अलग होता है, लेकिन चुनाव परिणाम उससे बिल्कुल अलग आते हैं। ऐसा क्यों और कैसे? यह भी एक नया मुद्दा है, जिस पर जनवितन जरूरी है। वास्तविक चिंता यह है कि सरकार की गलत नीतियों और कार्यक्रमों के कारण गरीब, मजदूर, अशिक्षित लोगों को और पिछे थकेता जा रहा है। क्या सरकारी दावों के मुताबिक, इन लोगों के बल पर ही भारत को विकसित देश बनाने का सपना देखा जा सकता है?

बता दें कि मायावती ने आंबेडकर के ६७वें 'परिनिर्वाण दिवस' पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सोशल मीडिया मंच 'एक्स्स' पर लिखा, 'लगभग ९४० करोड़ की विश्वासी आवादी वाले भारत के गरीबों, मजदूरों, दलितों, आदिवासियों, अतिपिछँदँ शहित उपेक्षित बहुजनों के मसीहा व देश के मानवतावादी समतामूलक संविधान के निर्माता भारतरत्न परमपूज्य बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर को आज उनके 'परिनिर्वाण दिवस' पर अपार श्रद्धा-सुमन अर्पित।' मायावती ने बाद में एक बयान जारी कर कहा कि विभिन्न चुनाव परिणाम से लगता है कि सरकारी अनाज के 'मोहताज' बनाए गए लोग अपनी बदहाली से खुश नहीं हैं लेकिन क्या अब वे लोग इतना साहस भी नहीं दिखा पाएंगे कि चुनाव में अपना विरोध दर्ज कराकर 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' की नीतियों पर चलने वाली सरकार चुनाव का सार्थक प्रयास कर सकें? उन्होंने कहा, 'देश में रोटी-रोजी के अभाव एवं महंगाई की मार के कारण आमदनी अठवी भी नहीं पर खर्च रुपया होने के कारण गरीब, मजदूर, छोटे व्यापारी, किसान, मध्यम वर्ग सहित सभी मेहनतकर्त्ता समाज की हालत त्रस्त व चिंतनीय है, जबकि संविधान को सही से लागू करके उनकी हालत अब तक काफी संवर जानी चाहिए थी।'

होने के चलते छठे स्थान पर हैं। एनसीआरबी के २०२२ के आंकड़ों के मुताबिक, लखनऊ में १७ रेप की घटनाओं के सापेक्ष २०२२ में ८८ रेप की घटनाएं हैं। २०२२ में ४५ रेप के मामले दर्ज हुए, जबकि २०२१ में ३५ और २०२२ में ८६ रेप के मामले दर्ज हुए, वहीं गाजियाबाद में २०२१ में ३२ और २०२२ में ६८ मामले दर्ज हुए हैं, जो पिछले साल की अपेक्षाकृत कीरी दोगुनी हुई हैं।

हत्या और रेप में लखनऊ टॉप!

एनसीआरबी की रिपोर्ट में हुआ खुलासा

है कि गाजियाबाद में भी क्राइम में तेजी से बढ़ती हुई है।

एनसीआरबी के आंकड़ों के आंकड़ों

के मुताबिक, कानपुर में २०२१ में महिला अपराध संबंधी ८९ रेप के लिए जेलीजों के लिए जैन से लेकर कपासी और गोदानमंत्री जैन से लेकर कपासी ने निर्देश दिए हैं। खासतौर पर उन्हें चेतावनी दी गई है, जहां पर महिला संबंधी अपराधों में बढ़ती हुई है और अपराधियों पर नकेल करने में नाकामयात्रा हो रही है।

लखनऊ में साल २०२१ में ९०९ और साल २०२२ में ९३९ हत्याओं के मामले दर्ज हुए हैं, जो पिछले साल की अपेक्षा बढ़े हैं। वहीं कानपुर में आंख गायब हो रही है। गाजियाबाद में २०२१ में ८८ और २०२२ में ८५ हत्याएं हुई हैं। इसी तरह गाजियाबाद में २०२१ में २५ हत्याएं हुई हैं, जबकि २०२२ में ६९ हत्याएं हुई हैं। जिससे साफ



सेहत का तड़का

● एस. पी. यादव

मुंबई

के अनुसार, संतुलित आहार, अच्छी नींद, कार्डियोवैस्क्युलर एक्सरसाइज और तनावमुक्त जीवन सेहत के चार स्तंभ हैं।

जयपुर में जन्मी, लेकिन मुंबई में

पली-बड़ी अंजना सुखानी ने खार के कमला स्कूल से पढ़ाई करने के बाद लंदन के कार्डिफ मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी से बिजनेस मैनेजमेंट की डिग्री हासिल की। अंजना कारोबार जगत में अपनी पहचान बनाना चाहती थी, लेकिन अपनी बहन मीना सुखानी (बच्चा ऐ हसीनों फेम) के प्रोत्साहन पर मॉडलिंग करने लगी। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन के साथ कैडबरी डेरी मिल्क के विज्ञापन में आते ही अंजना ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। २००५ में उन्होंने 'हमदम' फिल्म से बौतौर अभिनेत्री अपना करियर आरंभ

'समग्र फिटनेस के चार स्तंभ हैं- संतुलित आहार, अच्छी नींद, कार्डियोवैस्क्युलर एक्सरसाइज और तनावमुक्त जीवन। फिट रहने के लिए आपका टेंशन-फ्री होना जरूरी है।'

● कम-कम, थम-थम करती हैं भोजन

अंजना

सुखानी

खाने की बेहद

शौकीन हैं।

लेकिन सेहत को ध्यान में

रखते हुए कई

छोटी-छोटी खुराकों में भोजन

करती हैं। नाश्त में इडली,

चीज सैंडविच और फ्रूट जूस लेती है। दोपहर को

लंच में दाल, रोटी, सब्जी, सलाद, दही के साथ

पर्याप्त भोजन करती है। इसके बाद हर दो-तीन

घंटे पर कुछ न कुछ हल्का-फुल्का खा लेती है।

भोजन में पर्याप्त प्रोटीन-फाइबर और कम कार्बो

को महत्व देती है।

● भारतीय भोजन से लगाव

शुद्ध शाकाहारी अंजना सुखानी को भारतीय

ब्यंजनों के अलावा थाई, चाइनीज और इटालियन

खाना पसंद है। उन्हें चीनी ब्यंजन डिम सम बेहद

पसंद है। बकौल अंजना, 'चूंकि मैं शाकाहारी हूं,

इसलिए मुझे बेज डिम सम खाना पसंद है। मुझे

पास्ता बनाना और खाना पसंद है, विशेषकर मैं

लाल और सफेद सॉस के साथ पास्ता बनाती हूं। हालांकि, मुझे प्रामाणिक पास्ता का भारतीय

संस्करण पसंद है।' अंजना को सिंधी कड़ी और

बार्सिलोना का स्थानीय पुलाव 'पाएला' भी बहुत

पसंद है।

टेंशन गॉन्त सेहत ऑन

अंजना सुखानी की सदाबहार फिटनेस के चार स्तंभ

किया। 'सलाम-ए इश्कः ए ट्रिब्यूट टू लव', 'संडे', 'दे ताली', 'गोलमाल रिटर्न्स', 'गुड न्यूज़', 'मुंबई साग़' जैसी दर्जनों हिंदी फिल्मों के अलावा उन्होंने तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मराठी और पंजाबी फिल्मों में भी काम किया है।

● रोजाना किक-बॉक्सिंग की प्रैक्टिस

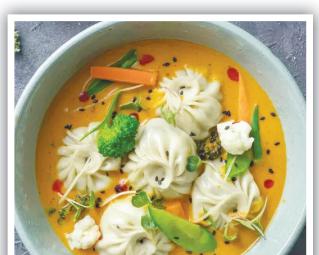
अंजना सुखानी अपनी सेहत को लेकर बेहद सजग रहती है। वे रोजाना जिम जाती हैं, जहां लगभग ढेर घंटे तक वॉर्म-अप, कार्डियो एक्सरसाइज और वेट ट्रेनिंग करती हैं। मांसपेशियों की मजबूती के साथ-साथ शरीर की स्वाभाविक लचक बरकरार रखने के लिए वे कुछ देर तक किक-बॉक्सिंग की प्रैक्टिस करती हैं। स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज के साथ-साथ रनिंग और स्विमिंग भी उनकी डेली वर्कआउट रुटीन का हिस्सा है। किताबें पढ़ने और साहसिक यात्राएं करने की शौकीन अंजना मौका मिलने पर पैरा-सेलिंग भी करती है। बकौल अंजना,

वेज डिम सम की रेसिपी

सामग्री: १०० ग्राम कटी हुई गाजर, १०० ग्राम मटर, ५० ग्राम बारीक कटी अजवाइन, ८० ग्राम बारीक कटे बांस के अंकुर, ५० ग्राम शिटाके मशरूम, दो चम्मच सोया सॉस, दो चम्मच तेल, एक चम्मच चीनी, आधा चम्मच नमक, एक चम्मच तिल का तेल, स्वादानुसार काली मिर्च, १२ नग डिम सम रैपर, दो चम्मच टैपिओका आटा।

विधि: सभी सब्जियों को कुछ देर पानी में उबालने के बाद छानकर अलग रख दें। अब कड़ी में तेल गर्म करें और इसमें अजवाइन, सोया सॉस, मसाले और टैपिओका आटा डालकर गाढ़ा होने तक पकाएं। अब इसमें छानकर अलग रखी सब्जियों और सोया सॉस डालकर अच्छी तरह मिला लें। इस पूरे मिश्रण को दो घंटे तक फ्रिज में ठंडा कर लें। अब इस मिश्रण को एक-एक डिम सम रैपर में अच्छी तरह भरकर मोटक या मोमोज की तरह वांछित आकार में मोड़ लें। अब डिम सम को १२ मिनट तक भाप पर पकाएं। डिपिंग सॉस के साथ गरमागरम परोसें।

फायदे: पर्याप्त प्रोटीन और कम कार्बोहाइड्रेट होने के कारण डिम सम को स्वास्थ्यप्रद आहार माना जाता है। भाप से पकने के कारण इसमें मिली सब्जियों के विटामिन और खनिज बरकरार रहते हैं। इसमें विटामिन बी, थायमिन, नियासिन, विटामिन सी के अलावा पौटीशियम, कैल्शियम, फॉस्फोरस, जिंक जैसे खनिज बरकरार रहते हैं। हड्डियों को मजबूती देने, हृदय की स्वस्थ रखने के साथ-साथ यह पाचनतंत्र के लिए बेहतर है।



अनिगंत विज्ञापनों में काम कर चुकीं सशक्त अभिनेत्री लुबना सलीम हिंदी और अंग्रेजी नाटकों सहित कई टीवी धारावाहिकों में काम कर चुकी हैं। शो 'बा, बह और बेबी' में लीला ठक्कर का संजीदा किरदार निभानेवाली लुबना के शो 'मेरा नाम करेगी रोशन', 'एक पैकेट उम्मीद', 'तेरी मेरी जिंदगियाँ' को भला कौन भूल सकता है। इन दिनों कॉमेडी वेब शो 'आम आदमी' सीजन-४ को लेकर लुबना सुर्खियों में हैं। पेश है, लुबना सलीम से पूजा सामंत की हुई बातचीत के प्रमुख अंश-

वजह रही?

हम लोग अपनी रोजमरा की जिंदगी जीते जा रहे हैं। हम में से किसी को भी यह एहसास नहीं कि हमारे जीवन में कितना हास्य भरा है। जीवन को थोड़े से हल्के-फुलके अंदर में देखने का नजरिया होना चाहिए, जो बहुत कम लोगों में होता है। वेब शो 'आम आदमी' जीवन के हर पहलुओं पर कठाक करता है। जीवन की आपाधारी में दो पल हासने-हासने के मिल जाए तो क्या जीवन खुशनुमा नहीं होगा?

● कहानी का टॉपिक क्या है?

मिसाल के तौर पर हर दूसरे भारतीय धरों में बंटवारा होता है। धर के बुजुर्ग चले जाते हैं और फिर उनके बाद की दूसरी-तीसरी पीढ़ी में अलगाव होता है। इसी अपने साथ तीव्र मतभेद, बहस, झगड़े, बातचीत बंद जैसे कई इश्वर्य को जन्म देता है। इसी कॉमेन्ट टॉपिक पर 'आम आदमी' शो कितना हासाता है, यह शो देखने के बाद ही पता चलेगा।

● आपने करियर से ब्रेक क्यों लिया था?

मेरी जिंदगी हमेशा अच्छी तरह से बीती। मुझे जो कुछ भी मिला, उसी में सुनहरा था। मैं कभी अति महत्वाकांक्षी नहीं रही हूं। और एंबीशियस होना कभी-कभी आपको तानाव देता है। मेरे पिता जावेद सिद्दीकी नामी लेखक हैं और मां फरीदा सिद्दीकी सीनियर कॉर्स्ट्र्यूम डिजाइनर हैं। मेरा एक भाई मुराद प्रोड्यूसर और दूसरा भाई समीर लेखक है। मेरा परिवार ही क्रिएटिव है। इन सभी से मुझे बहुत अच्छी तालीम, संस्कृत सहित प्रतिभा विरासत में मिली। जब थिएटर आर्टिस्ट और लेखक-निर्माता सलीम आरिफ से मेरी शादी हुई तो उन्होंने भी अभिनय के लिए मुझे प्रोत्साहित किया। दो बेटों के जन्म के बाद उनकी परवरिश के लिए मैंने अभिनय से थोड़ा ब्रेक लिया था, ताकि मैं बच्चों पर ध्यान दे सकूँ।

● धर-परिवार मैनेज करते हुए टीवी-स्टेज जैसे क्षेत्र में

पावर कपल की खुशी

बालीवुड एक्ट्रेस ऋचा चह्वा और उनके पति अली फजल बॉलीवुड के पावर कपल माने जाते हैं। फिल्मात, यह जोड़ी अपने पहले प्रोडक्शन वेंचर 'गर्ल्स विल बी गर्ल्स' में परी तरह व्यस्त है। इस कपल की फिल्म से जुड़ी एक बड़ी खबर आ रही है। दरअसल, इनकी फिल्म ने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। इनकी 'गर्ल्स विल बी गर्ल्स' वर्ड ड्रामेटिक फीचर कैटेगरी में प्रेस्टीजियस सनडांस फिल्म फेस्टिवल में प्रीमियर के लिए सिलेक्ट की गई है। सनडांस दुनिया के सबसे बड़े फिल्म फेस्टिवल में से एक माना जाता है। 'गर्ल्स विल बी गर्ल्स' के सनडांस फिल्म फेस्टिवल में चुने जाने पर डायरेक्टर शुचि ने कहा, 'मुझे खुशी है कि मेरी पहली फीचर सिनेमा के मक्का, सनडांस में चुनी गई है। भारत में शूट की गई और संकल्पित फिल्म को इस बड़े इंटरनेशनल फेस्टिवल में एक माना जाता है।' इस ड्रामा के फोकस में एक मां और बेटी के बीच की प्रेम कहानी है।



(लेखक स्वास्थ्य विषयों के जानकार, वरिष्ठ पत्रकार व अनुवादक हैं। 'स्वास्थ्य सुख' मासिक के संपादक रह चुके हैं।)

गंभीर क्यों बन जाते विवाद?

आ

खिलाड़ियों के बारे में क्यों आ जाते हैं? वो किसी न किसी मामले में अपने बयानों से कठघरे में खड़े कर दिए जाते। अब देखिए पूर्व क्रिकेटर श्रीसंत की पत्नी ने भी उहें एक तरह से लताड़ा है। दूरअसल, लीजेंड्स क्रिकेट लीग में गौतम गंभीर की श्रीसंत पर की गई टिप्पणी के बाद तेज गेंदबाज की पत्नी भी जंग में कूद गई हैं। श्रीसंत की पत्नी भुवनेश्वरी ने वीडियो शेयर करते हुए गंभीर के लिए एक मैसेज लिखा है, जिसमें उन्होंने भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज को परवरिश से मिली परवरिश पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने श्रीसंत के इंस्टाग्राम वीडियो पर कमेंट करते हुए कहा- 'श्री की बात सुनकर बहुत हैरानी हुई। जो खिलाड़ी उनके साथ कई सालों तक भारत के लिए खेला है, वह इस स्तर तक गिर सकता है। सक्रिय क्रिकेट से सन्तान के इतने साल बाद भी।' आखिरकार परवरिश बहुत मायने रखती है और यह तब दिखता है, जब इस तरह का व्यवहार जमीन पर सामने आता है। यह वाकई चौंकाने वाला है।

क्लीन बोल्ड

अमिताभ श्रीवास्तव



कोहली की तृप्ति है

अब फैंस का कोई जवाब तो होता नहीं, फिर विराट कोहली जैसे खिलाड़ी के फैंस हों तो बात ही अलग है। बॉलीवुड अभिनेत्री तृप्ति डिमरी इन दिनों अपनी नई फिल्म एनिमल की सफलता के कारण सुखियों में बड़ी हुई हैं। जहां एक तरफ पूरा देश तृप्ति डिमरी की एकिंग और तुक्स का कायल है। वहीं, २९ वर्षीय अभिनेत्री ने हाल ही में एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि वे भारत के पूर्व कप्तान विराट कोहली की बहुत बड़ी फैन हैं। विराट कोहली के फैन पूरी दुनिया में मौजूद हैं।

हाल ही में इसमें एक और नाम जुड़ गया। अब देखिए न एनिमल मूवी में जोया का किरदार निभाने वाली बॉलीवुड अभिनेत्री तृप्ति डिमरी ने खुलासा किया है कि विराट कोहली उनके पसंदीदा क्रिकेटरों में एक हैं।

सोशल मीडिया पर एक इंटरव्यू का विलिप्ति तेजी से वायरल हो रहा है। हालांकि, इसकी पुष्टि नहीं हुई है कि यह वीडियो कब का है।



हक से हक तक

महिला क्रिकेट में यह हक से हक तक की बात है। बांग्लादेश की नाहिदा अख्तर और फरगाना हक की जोड़ी नामांकित हुई है। इस श्रेष्ठ हक के लिए पाकिस्तान की बाएं हाथ की स्पिनर सादिया इकबाल को नवंबर २०२३ के लिए आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मॉन्ट पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है। मीरपुर में बांग्लादेश को पाकिस्तान पर २-१ से जीत दिलाने के बाद नाहिदा को लगातार दूसरे महीने नामित किया गया है। अपने टी-२० प्रयासों के लिए अक्टूबर में नामांकित इस बार वे वनडे में अपने प्रदर्शन के कारण शॉटिंगिस्ट में हैं।

बाएं हाथ की स्पिनर नाहिदा ने तीन मैचों में १४.१४ की औसत से सात विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार जीता।

पहले मैच में ३० रन देकर तीन विकेट लिए और निर्णयक अंतिम मैच में २६ रन देकर तीन विकेट लिए। दूसरी ओर वनडे सीरीज में १९० रनों के साथ फरगाना ने आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मॉन्ट पुरस्कार के लिए अपना पहला नामांकन अर्जित किया। सलामी बल्लेबाज ने बांग्लादेश के लिए सीरीज बराबर कराने में अहम भूमिका निभाई।

(लेखक वरिष्ठ खेल पत्रकार व टिप्पणीकार हैं।)



कुमार तैयार

भारत के तेज गेंदबाज मुकेश कुमार औंस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की टी-२० सीरीज के दौरान शादी के बंधन में बंधे थे। शादी के बाद मुकेश वापस लौटे और श्रृंखला के आखिरी मुकाबले खेले। अब सोशल मीडिया पर उनका एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वे शादी के बाद दूसरी पारी को लेकर बात करते हुए दिख रहे हैं। भारतीय पेसर ने किसी बात का जवाब देते हुए कहा, 'अच्छा महसूस हो रहा है और जिनके साथ शुरुआत से रहा हूं। उन्हीं के साथ मैंने आज दूसरी पारी शुरू की है और मैच भी आगे मैं अच्छा खेलूंगा, इनके साथ।' इतना कहते ही मुकेश के बोरे पर एक मुस्कान आ जाती है। बता दें कि मुकेश कुमार दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए तीनों सीरीज (टेस्ट, वनडे और टी-२०) में भारतीय टीम का हिस्सा हैं। मुकेश के अलावा ऋतुराज गायकवाड़ और श्रेयस अय्यर भी इसी लिस्ट में शुमार हैं, जो तीनों ही फॉर्मेट की सीरीज में भारत का हिस्सा हैं।

लौटे पृथ्वी

भारतीय बल्लेबाज पृथ्वी शॉ सिंतंबर में अपना घुटना चोटिल कर बैठे थे। इस कारण पिछले तीन महीने उहें आराम करना पड़ा। इस दौरान वे बड़े घरेलू ट्रूनमेंट जैसे सैयद मुश्तक अली ट्रॉफी और विजय हजार ट्रॉफी भी नहीं खेल पाए। अब जब उहें फिर से बल्ला थामने का मौका मिला तो वह बेद्द खुश नजर आए। उन्होंने इस्टा स्टोरी में अपने नेट प्रैक्टिस वीडियो के साथ लिखा है, '३ महीने बाद क्या शानदार एहसास हो रहा है।' इस वीडियो में वे बंगलुरु स्थित नेशनल क्रिकेट एकेडमी में नेट प्रैक्टिस करते हुए नजर आ रहे हैं। उन्होंने इस वीडियो में मैदान पर वापसी से होने वाले शानदार अनुभव का जिक्र भी किया है। पृथ्वी शॉ फिलहाल टीम इंडिया से तो लंबे समय से बाहर चल रहे हैं, लेकिन आईपीएल में वे लगातार नजर आए हैं। हालांकि, आईपीएल के पिछले कुछ सीजन भी उनके लिए अच्छे नहीं रहे हैं। पिछले सीजन में उन्होंने ८ मुकाबलों में महज १०६ रन बनाए थे। इस खराब प्रदर्शन के बाद भी दिल्ली फ्रेंचाइजी ने उन्हें अगले सीजन के लिए रिटेन किया हुआ है।



अलविदा जूनियर महमूद

बॉलीवुड के फेमस एक्टर में से एक रहे जूनियर महमूद का कैसर से जंग के बाद निधन हो गया। जूनियर महमूद पेट के कैंसर की स्टेज ४ से जूझ रहे थे। उनका इलाज मुंबई के एक अस्पताल में चल रहा था। देर रात कीरी २ बजे जूनियर महमूद ने आखिरी सांस ली। फिल्म इंडिस्ट्री में एक्टर के निधन से शोक प्रसर गया है। कल जुम्मे की नमाज के बाद जुहू के कब्रिस्तान में जूनियर महमूद को सुपुर्द एक्टर किया गया। निधन के बाद जूनियर महमूद अपने परिवार छोड़ गए हैं। वे अपने पीछे पत्नी, दो बेटे, बहू और १ पौत्र छोड़ गए हैं। जूनियर महमूद साहब का असली नाम नईम सैयद था। उनका जन्म १५ नवंबर १९५६ को हुआ था। कुछ दिनों पहले ही जूनियर महमूद के पेट के कैंसर से पीड़ित होने की खबर मास्टर राजू ने दी थी। इसके बाद कुछ सितार उनसे मिलने भी पहुंचे। मास्टर राजू रोजाना जूनियर महमूद का हाल लेने पहुंच रहे थे। उन्होंने ही अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दुनिया को जूनियर महमूद की खबर हालत की खबर दी थी। एक्टर संग फोटो शेयर कर मास्टर राजू ने पोस्ट में लिखा था, 'जूनियर महमूद जी के पेट में कैंसर का पता चला है। कृपया उनके लिए प्रार्थना करें।' इसके बाद जॉनी लीवर, जूनियर महमूद की मदद को आगे आए। इस मुश्किल वर्त में महमूद के करीबी दोस्त सलाम काजी भी उनके साथ थे।

सुहाना का जादू

साल की सबसे मोस्ट अवेटेड फिल्म 'द आर्चर्ज' की खूब चर्चा हो रही है। जोया अख्तर ने 'द आर्चर्ज' गेंग के लिए डिनर पार्टी होस्ट की। इसमें सुहाना खान, अगस्त्य नंदा, मिहिर आहूजा, डॉट, वेदांग रैना और युवराज मेडा शामिल रहे। जब ये लोग जोया के घर से बाहर निकले तो पैपराजी ने स्पॉट किया। इस दौरान सबसे ज्यादा सुहाना खान ने सबको आकर्षित किया। वे पीले रंग के एथनिक सूट में बहुत खूबसूरत लग रही थीं, जिसमें एक छोटा कढाई वाला कुर्ता और मैचिंग पलाजो था। इसे उन्होंने मैचिंग ऑर्नांग दुपट्टे के साथ करी किया था। उन्होंने अपने बुक को ज्युम्के के साथ पूरा किया। जब वे कार की ओर बढ़ीं तो उन्हें फैस के साथ सेल्फी किलक कराते हुए भी देखा गया। सुहाना का ट्रेडिशनल लुक लोगों को खूब पसंद आया। एक्ट्रेस अपनी फिल्म को लेकर खूब एक्साइटेड हैं। फिलहाल, उनकी पूरी टीम जश्न के माहौल में खोड़ हुई है।



भाजपा की नैतिकता का ऑडिट!

अमीरी का दिखावा नहीं किया जा सकता, लेकिन नैतिकता के दिखावे की गारंटी दी जा सकती है। नवाब मलिक के मामले में भाजपा ने पूरे महाराष्ट्र में ऐसे पाखंड का प्रदर्शन किया है। नवाब मलिक को मेडिकल जमानत पर जेत से रिहा कर दिया गया है। कोर्ट ने मलिक पर राजनीतिक टिप्पणी करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। मलिक ने अब अजीत पवार गुट की शरण ले ली है। नागपुर के शीतकालीन सत्र में जैसे ही मलिक सत्ता पक्ष यानी अजीत पवार के गुट में बैठे, विकास ने भाजपा को धेरना शुरू कर दिया। मलिक के बाबत आप पहले क्या कहते थे और अब जब वह आपके साथ आ गए हैं तो आपकी नैतिकता कैसे बदल गई है? ऐसे सवाल उठते ही भाजपा ने अपनी वॉशिंग मशीन का बटन बंद कर दिया और विचार-विमर्श में लग गई। उसी समय श्री फडणवीस ने विधान भवन परिसर में ही अजीत पवार को पत्र लिखकर नैतिकता के प्रति अपना प्यार और उड़ेल दिया। श्री फडणवीस अपने पत्र में लिखते हैं, 'यह क्या है दादा? अपने हमारी इज्जत बर्बाद कर दी है राव!

नवाब मलिक पर जिस तरह के आरोप हैं, उसे देखते हुए उन्हें महागठबंधन में शामिल करना उचित नहीं होगा। सत्ता आती है, सत्ता जाती है, लेकिन देश सत्ता से अधिक महत्वपूर्ण है। मलिक को देशद्रोहियों से रिश्तों के चलते गिरफ्तार

किया गया। मलिक को अदालत ने बरी नहीं किया है, उन्हें सिर्फ मेडिकल आधार पर जमानत दी गई है। अगर मलिक जैसे लोग सत्तारूढ़ बैच में आते हैं, तो इससे गठबंधन में बाधा पैदा होगी।' उन्होंने इस तरह का राग अलापना शुरू किया। मलिक के मामले में विरोधियों द्वारा भाजपा की धज्जियां उड़ाने के बाद फडणवीस की लेखनी प्रवाहमान हुई और उन्होंने अजीत पवार को पत्र लिखा। मोदी ने 'डिजिटल इंडिया' किया, मोदी '५-जी' वर्गरह लाए। अतः फडणवीस उन साधनों का उपयोग कर अजीत पवार को जगह पर ही फटकार लगा सकते थे या फिर कम से कम मलिक को नैतिकता के मुद्दे पर सदन में ही रोका जा सकता था, लेकिन फडणवीस ने उनके बगल ही में बैठे दूसरे उपमुख्यमंत्री को पत्र लिखा और पत्र से यह दिखा दिया कि नैतिकता के सवाल पर उनका पाखंड किस हद तक अबल दर्ज का है, लेकिन मजेदार बात तो यह है कि इन्हीं अजीत पवार गुट के दिली के सूत्रधार प्रफुल्ल पटेल के कारनामे तो मलिक से भी ज्यादा बड़े हैं। मलिक ने दाऊद से जुड़े लोगों से जमीन का सौदा किया। इसलिए, ईडी ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया, जबकि पटेल के बम धमाकों के मास्टरमाइंड और दाऊद के जिगरी मिर्चीभाई के साथ जमीन और वित्तीय लेन-देन के खुलासे के बाद, खुद प्रधानमंत्री मोदी ने पटेल को खबर खरी-खोटी सुनाई थी। 'ईडी' ने दाऊद-मिर्ची सौदे में पटेल की सारी संपत्ति जब्त कर ली, लेकिन मलिक को गिरफ्तार करनेवाली 'ईडी' ने कहीं अधिक भयावह मामले में कथित सहभागी होने के बावजूद पटेल को गिरफ्तार नहीं किया। आरोप वही हैं, लेन-देन भी वही हैं, लेकिन दो अलग-अलग 'न्याय' क्यों? पटेल को मलिक जैसा 'न्याय' क्यों नहीं मिलता? ये सवाल अब भाजपा विरोधियों ने पूछा है। दो दिन पहले पटेल मुस्कुराते हुए गृहमंत्री अमित शाह से मिले थे और देश के गृहमंत्री ने भी मुस्कुराते हुए 'मिर्ची' फेम पटेल का स्वागत किया था। यह मिर्चीभाई पटेल ही थे, जो एनसीपी को तोड़कर भाजपा में शामिल होने की योजना पर अमित शाह से चर्चा कर रहे थे। जब पटेल 'यूपीए' सरकार में मंत्री थे, तब भाजपा ने मिर्ची मामले को लेकर सोनिया गांधी से सवाल किया था। वही पटेल आज भाजपा के साथ चल रहे हैं। १५ दिन पहले जब मोदी गोंदिया हवाई अड्डे पर उतरे तो पटेल 'मिर्ची' हार के साथ सबसे आगे थे। अब वह 'मिर्ची' खार बन गई है या मधुर हलवा? इसका खुलासा फडणवीस ही को करना चाहिए कि क्या उनकी वह नैतिकता मिर्ची की चटनी में धूल गई है? महाराष्ट्र में अब संतों का राज्य खत्म हो गया है ढाँगी बाबाओं का 'अवतार' होने लगा है। हमारे पास हर चीज का ऑडिट होता है, इसलिए भाजपा की नैतिकता का भी ऑडिट होना चाहिए। भाजपा ने पटेल को देश के लिए नहीं, बल्कि सत्ता के लिए अपनी गोद में रखा है। महाराष्ट्र के हसन मुश्तिक, भावना गवली, प्रताप सरनाईक, छगन भुजबल, स्वयं सिंचाई घोटाला फेम अजीत पवार के भ्रष्टाचार को लेकर भाजपा ने नैतिकता और संस्कृति को लेकर हंगामा खड़ा किया था, उसका क्या हुआ? एक महिला की आत्महत्या के मामले में भाजपा ने मंत्री सज्जय राठौड़ के इस्तीफे की मांग की थी। तत्कालीन मुख्यमंत्री ठाकरे ने नैतिकता के मुद्दे पर मंत्री को घर भेज दिया। फडणवीस ने उसी मंत्री को दोबारा मंत्री बनाकर नैतिकता की धज्जियां उड़ा दीं। राठौड़ की करतूत मलिक, पटेल के देशद्रोह के बाबर ही है, लेकिन जैसे ही उन्हें भाजपा की वॉशिंग मशीन में डाला गया, उस अबला की चीजें भाजपा की राजनीतिक लोमड़ियों को सुनाई देनी बंद हो गई हैं। मंत्रिमंडल के अधिकांश मंत्री भ्रष्टाचार के दलदल में सूअरों की तरह लोट रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने पूरी व्यवस्था नीलाम कर दी, लेकिन फडणवीस ने सिर्फ नवाब मलिक के बारे में पत्र लिखा। मिर्ची फेम प्रफुल्ल पटेल प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री अमित शाह से मूलाकात करते हैं। देवेंद्र फडणवीस का मोदी-शाह को पत्र लिखकर यह कहने का साहस होना चाहिए, 'पटेल से मिलना राष्ट्रीय हित में नहीं है। यह भाजपा की नैतिकता के अनुरूप नहीं है। साहेब, पटेल को दूर रखें।' तब जाकर ही मलिक के मामले में उनकी नैतिकता की हिचकी सच है अन्यथा अमीरी का दिखावा और भाजपा की नैतिकता का दिखावा एक ही है। उनकी नैतिकता का ऑडिट करना ही होगा।

संपादक : श्री उद्धव बालासाहेब ठाकरे ■ निवासी संपादक (मुंबई) : अनिल तिवारी* ■ कार्यालय : सद्गुरु दर्शन, नागू स्याजी वडी, दैनिक सामना मार्ग, प्रभादेवी, मुंबई-४०० ०२५ ■ मुद्रक -प्रकाशक : विवेक कदम द्वारा प्रबोधनकार ठाकरे संकुल, वाशी, नई मुंबई में मुद्रित एवं प्रकाशित। टेलीफोन : २४३७०५९१-९२ टेलीफैक्स : २४३११२७४ ईमेल : dks.saamana@gmail.com आरएनआई पंजीकरण क्रमांक : ५४८७६९/९३ *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार।

अर्थार्थ

पी. जायसवाल मुंबई

सनातन व्यवस्था से उपजे सतत विकास से आज हम योग्यपित औद्योगिक क्रांति की जद मैं आकर दुर्बै के COP-२८ में सतत (सनातन) विकास की ही खोज कर रहे हैं। अभी मैं एक रोजगार मेला के लिए यूपी के सीमावर्ती कसबे निचलौल में था और वहां दुकानों पर मैं खोए की बर्फी, पेड़ा और खुरमा देखा, जिसे एक दोहरे रखने के लिए किसी मशीन की जरूरत नहीं है।

आज के दौर में ये सवाल बड़ा सौंजूं है कि क्या है ये सतत विकास? COP-२८ में सब सतत विकास क्यों चिल्ला रहे हैं? क्या है इस विकास का बिंदु? आइए इस लेख के माध्यम से समझते हैं कि सतत विकास और इसका केंद्र बिंदु क्या है। सतत विकास का बिंदु होता है पारिस्थितिकीय तंत्र का वह अनुकूलतम बिंदु जहां पारिस्थितिकीय तंत्र संतुलित हो और आगे के वर्षों की ओर अग्रसर हो और

उस ग्रह के पारिस्थितिकीय तंत्र की आयु लंबी होती जाए। कोई भी ऐसा विकास जो पारिस्थितिकीय तंत्र के विकास को अवरुद्ध करता हो, उसे परेशान करता हो, उससे छेड़छाड़ करता हो, वह विकास की उल्टी धारा होगी। किसी भी विकास का भोग उस तत्कालीन समय का पारिस्थितिकीय तंत्र ही करता है। मानव के रूप में हम सौ-सौ वर्ष के जीवन काल के उसके भोगकर्ता हैं, अगर किसी विकास से हमारा जीवन काल सौ वर्ष से कम होता है या मानव जीवन ही खत्म हो जाते हैं, यह विकास का विकास का भैंसा होगा।

एक उदाहरण के तौर पर अगर भारत को ले ले कि यदि भारत की आबादी १४० करोड़ हो तो इसके विकास का बिंदु क्या होगा। इसका जबाब यही होगा मानव जीवन के परिप्रेक्ष्य में कि भारत का कोई भी कदम, जो इन १४० करोड़ लोगों के जीवन को सुखद होता है तो वह विकास नहीं हो सकते हैं, ऐसे में बमों का आविष्कार थोड़े ही विकास का पैमाना माना जाएगा।

एक उदाहरण के तौर पर अगर भारत को ले ले कि यदि भारत की आबादी १४० करोड़ हो तो इसके विकास का बिंदु क्या होगा। इसका जबाब यही होगा मानव जीवन के परिप्रेक्ष्य में कि भारत का कोई भी कदम, जो इन १४० करोड़ लोगों के जीवन को सुखद होता है तो वह विकास नहीं हो सकता है। यही सूत्र इस ग्रह के सभी प्राणियों एवं वनस्पतियों एवं प्रकृति पर लागू होता है। प्रकृति अपने आप में स्वयं ही नियंत्रक की भूमिका में होती है। अगर कोई विकास प्रकृति को छेड़ते हुए बनाया जाएगा तो कई बार प्रकृति को आगे आकर चाबुक चलाना पड़ता है, जिससे मानव जीवन के साथ अन्य प्राणियों को अपनी आहुति देनी पड़ती है। कोरोना महामारी में हम इसका अनुभव कर चुके हैं।

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में देखें तो पृथ्वी एवं मानव जीवन पर सबसे बड़े खत्म के रूप में पर्यावरण के साथ छेड़छाड़ है। अगर ग्लोबल वार्मिंग से आगे आनेवाले कुछ सालों में पृथ्वी पर जीवन और जीवन में खास करके मानव एवं जंतुओं का अस्तित्व ही खत्म हो जाएगा तो ऐसे

(उपरोक्त आलेख में व्यक्त विचार लेखक के निजी विचार हैं। अखबार इससे सहमत हो यह जरूरी नहीं है।)

कहलाएगा, यह विकास को पीछे ही ले जाएगा क्योंकि इससे एक बड़ी आबादी के रोजगार विहीन होने का खतरा है और इससे उनका जीवन सुखमय की जगह दुखमय हो जाएगा।

दूसरा उदाहरण लें। दो परिवार हैं। पहले परिवार में दादा-दादी, मियां-बीवी और दो बच्चे हैं और दूसरे परिवार में दादा-दादी, मियां-बीवी और १० बच्चे हैं। पहले परिवार का घर भी ४ बीएचके है और दूसरे परिवार का घर १ बीएचके है और पहले परिवार का घर भी ग्रामीण है और दूसरे परिवार वाला अपने घर में वह सब व्यवस्था करना चाहेगा जो कि पहले घर में संभव नहीं है, क्योंकि दोनों घर की परिस्थितियां और प्रशासिकाताएं अलग-अलग हैं। दूसरे वाले घर के लोग अपने घर की संपत्तियों, सामानों एवं खर्चों को अपनी जरूरतों और आमदनी के हिसाब से करेगा तभी उसका जीवन सुखी एवं स्वस्थ रहेगा, अगर वह अंख बंद करके अपने घर के आकार को नजरअंदाज करके पहले वाले घर की व्यवस्था एवं खर्चों को हूबहू कर्पोर करेगा तो उस घर का दुख और संकट में पड़ जाना निश्चित है। तीसरा उदाहरण लें, भारत का व्यापार ढांचा ऐसा है कि उत्पादन से उपभोक्ता के बीच पहुंचने से पहले निम्नलिखित श्रेणी की मानव आबादी अपने आपको व्यस्त रखती है। उत्पादक, डिस्ट्रीब्यूटर, स्टॉकिस्ट, होल सेलर, रिटेलर एवं अंत में उपभोक्ता। इस सौदे की चेन में मानव आबादी को छह श्रेणियां व्यस्त हैं। एक आइडिया के तौर पर यह सुनना बहुत अच्छा लगता है कि उत्पादक से उपभोक्ता को डायरेक्ट कर देने से बीच की लागत निकल जाएगी। लेकिन यहां ध्यान देना चाहिए कि यहां सिर्फ बीच की लागत ही नहीं निकलेगी इन छह लोगों की मानव जीवन वीच से चार लोग निकल जाएंगे। मतलब टोटल ६६ प्रतिशत लोगों के हाथ से रोजगार के अवसर खत्म होंगे और जब तक इस सौदे की चेन के ६६ प्रतिशत के रोजगार विस्थापन के बाद इनके रोजगार के नए विकल्प पैदा नहीं होते तब तक यह आइडिया अर्थशास्त्र के व्यापक परिप्रेक्ष्य में आत्मघाती होगा। विकास वही अच्छा होता है, जो एक सबके काम-धंधे में व्यस्त रखता है। भले ही आप नुतन तकनीक के रूप में आजकल कृत्रिम ज्ञान का बहुत उपयोग हो रहा है, यह तकनीक के तौर पर एक कदम नुतन है, लेकिन इससे बहुत बड़ी सख्ती में नौकरी देनी का खतरा है। अतः जब तक इस तकनीक से कम होनेवाले रोजगार का अवसर पैदा नहीं हो जाता तब तक कृत्रिम ज्ञान का उपयोग विकास कि तरफ एक और कदम नहीं।

(लेखक वरिष्ठ अर्थशास्त्री व सामाजिक तथा राजनैतिक विशेषज्ञ हैं।)



बड़ा ताकतवर आविष्कार तो एक शब्द में समाहित है 'संवाद'। संवाद के इस्तेमाल से ही वह बहुत सी समस्याओं को समाप्त कर सकते हैं, ऐसे में बमों का आविष्कार थोड़े ही विकास का पैमाना माना जाएगा। एक उदाहरण के तौर पर यह आविष्कार आगे आकर चाबुक चल

ठंड का मौसम एक बार फिर आरंभ हो गया है और इसी मौसम का साल भर इंतजार रहता है। क्योंकि न बारिश का गीलापन है न तपतपाती धूप का पसीना। इस मौसम में विभिन्न प्रकार के गरमागरम व्यंजनों का लुक्क उठाने का आनंद भी शुरू हो गया है। इसके साथ ही कंबल, ओढ़नी, स्टेटर जैसे गर्म कपड़ों का खुब मजा भी मिलता है। लेकिन मुंबईवालों को वैसे गर्म कपड़े नहीं पहनने पड़ते, जैसा कि उत्तर भारत के ग्रामीण इलाकों और पर्वतीय राज्यों में पहने जाते हैं। दो दिन पहले ही पतिदेव के लिए नई कमीज लेने वाजार गई थी। वहां तरह-तरह के वस्तों के साथ ही इन दिनों मफलर, कनटोप, स्टेटर, जैकेट और ऊनी वस्त्रों की नई खेप आई हुई है। नए पैटर्न के इन गर्म कपड़ों को देखकर मन बहुत प्रसन्न हुआ। बेहद आकर्क रंग और अनेक नई डिजाइन देखकर उन सबकी खरीदने का मन हो रहा था। लेकिन अभी कुछ दिनों पहले ही उत्तराखण्ड की चारधाम यात्रा से लौटी हूं। वहां बहुत ठंड थी। इसलिए कुछ गर्म कपड़े मैंने वहां खरीद थे। अब उर्फ़ से काम लेगा क्योंकि मुंबई में आजकल ठंडक के गुलाबी एहसास के साथ ही गर्म वस्त्रों के इस्तेमाल की दरकार भी महसूस होने लगी है। लेकिन इन्हीं दिनों में उत्तरी भारत में शादियों का मुहूर्त भी खुब निकला है। इसलिए ढेर सारी शादियां भी हो रही हैं। जाना तो हमें भी है। इसलिए ठंड का यह ताजा मौसम मुझे उस विवाह की याद दिलाता है, जिसमें हम बनारस पुरुंच गए थे। पर हम गर्म कपड़े इसलिए नहीं ले गए थे, क्योंकि हमें उत्तर भारत की ठंडी का अंदाजा नहीं था।

५ राज्यों के चुनाव परिणाम

२०२४ के लिए क्या हैं संकेत?



इस विजय पर आश्चर्यचकित हैं। लेकिन अगर जमीनी तौर पर देखा जाए तो कुछ सामाजिक बदलाव इसके मुख्य कारण रहे हैं। इनमें से प्रमुख हैं-

१. हिंदी पट्टी के राज्यों में पिछले ५ वर्षों में करीब ४ करोड़ नए वोटर्स जुड़े हैं।

२. आंकड़े ये भी बताते हैं कि राजस्थान और मध्य

प्रदेश में प्रचलित ५ वर्षों में ६०-६० लाख नए वोटर जुड़े हैं, जो १८-२४ आयुवर्ग के हैं। छत्तीसगढ़ में लगभग २५ लाख नए युवा वोटर्स जुड़े हैं।

३. अगर इन युवाओं से बात करते हों तो पाएंगे कि हिंदी पर्शी के प्रदेशों में युवाओं में हिंदुत्व की पैठ बहुत गहरी है। ये सब सोशल मीडिया का कमाल है। जो कुछ भी सोशल मीडिया पर इन युवाओं को परोसा जाता है, वह इनके मन में बस जाता है। मोटी भी युवाओं को हमेशा आकर्षित करने के लिए नए-नए वादे करते हैं। ऐसा अनुमान है कि नए वोर्टर्स का भाजपा के प्रति गहरा झुकाव है और यही एक बड़ा कारण बना, जिसके कारण कांग्रेस को मथ्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में हार का मुंह देखना पड़ा।

यहाँ यह कहना उत्तम हांगा कि अभा भा वोर्ट्स का मोह मोदी से भंग नहीं हुआ है और उन्हें जिस एक सशक्त लीडर की तलाश है वो उन्हें मोदी में नजर आता है। इंडिया गढ़बंधन के लिए २०२४ एक बहुत बड़ी परीक्षा की घड़ी है। उन्हें वैराणी पार करने के लिए अथक प्रयास करने होंगे और बहुत जर्ती उभरते हुए मतभेद और मनभेद मिटाने होंगे। जो हालात आज नजर आ रहे हैं, वो इंडिया गढ़बंधन के लिए

द तो नहीं हैं पर मोदी का सामना करने के लिए उन्हें बहुत पापड़ बेलने होंगे। २०२४ का रास्ता या गठबंधन के लिए काटों भरा है, जिसमें उन्हें न युवाओं के मन को लुभाना होगा, बर्कि एक ऐसी ना करनी होगी, जो भारत के सभी वर्गों को पसंद जाए। मोदी के लिए भी शायद २०२४ एक यश के रूप में सामने आएगा, जिसे हल कर पाना उनके भी इतना आसान नहीं होगा। भारत की जनता भी २४ से निकलते सकेंगे को जानने के लिए उत्तरी उत्सुक है, जितने इस देश के राजनीतिक दल।

विषयों पर चिंतक और विचारक हैं)

**राजस्थान
युनाव** दबाव में क्या है भाजपा
नहीं है। वहीं राजनीतिक

पहा लक दा हन
किसी ने जबरन नहीं रहाया था। जब कुछ अनजनन लोग आकर ललित मीणा को ते जाने लगे तो हमने उन्हें नहीं ले जाने दिया और जब हेमराज मीणा अपने पुत्र विधायक ललित मीणा को लेने आए तो उनके साथ भेज दिया था। जयपुर में हुई इस घटना से भाजपा आलाकमान के कान खड़े हो गए और उन्हें इहसास हो गया कि प्रदेश में सब कुछ अच्छा नहीं चल रहा है। इससे पूर्व वसुंधरा राजे के यहां कीरीबन तीन दर्जन विधायक उनसे मिलन पड़ते थे, जिसे वसुंधरा राजे गुरु द्वारा अपने शक्ति प्रदर्शन के रूप में प्रचारित किया गया था। वसुंधरा राजे गुरु के कालीवरण सर्वांशहित कई विधायकों का कहना था कि उनके समर्थन में ५० से अधिक विधायक हैं। ऐसे में उनको तीसीरा बार भी मुख्यमंत्री बनाया जाना चाहिए। वैसे भी राजस्थान में भाजपा के पास वसुंधरा राजे से अधिक लोकप्रिय कोई ढेहरा वार मुख्यमंत्री बनने के बाद दोनों ही बार पार्टी का चुनाव हारा जाना रहा है। पार्टी नेताओं का मानना है कि बुनाव के समय वसुंधरा राजे कांग्रेस सरकार की एंटी इनकारेंसी के बल पर सरकार बना लेती हैं। मगर खुद के मुख्यमंत्री रहते भी उनकी सरकार के प्रति आमजन में भारी नाराजगी व्याप्त हो जाती है और उन्हें सत्ता से हटाना पड़ता है। इस बार पार्टी आलाकमान चाहता है कि ऐसे व्यक्ति को मुख्यमंत्री बनाया जाए जो पांच साल बाद फिर से सरकार रिपीट कर सके। मगर वसुंधरा राजे अपनी जिद पर अझी हुई हैं कि वह स्वयं के अलावा अन्य किसी को मुख्यमंत्री पद पर बैठने नहीं देना चाहती हैं।

राजस्थान में भाजपा की सरकार गठन में अबकी बार जितना समय बीत रहा है, उतना पहले कभी नहीं लगा। इसलिए लोगों के मन में संशय पैदा हो रहा है। हालांकि, पार्टी अध्यक्ष जेपी

नहु न कप्राय
रक्षामंत्री राजनाथ
सिंह, राज्यसभा
सांसद सरोज

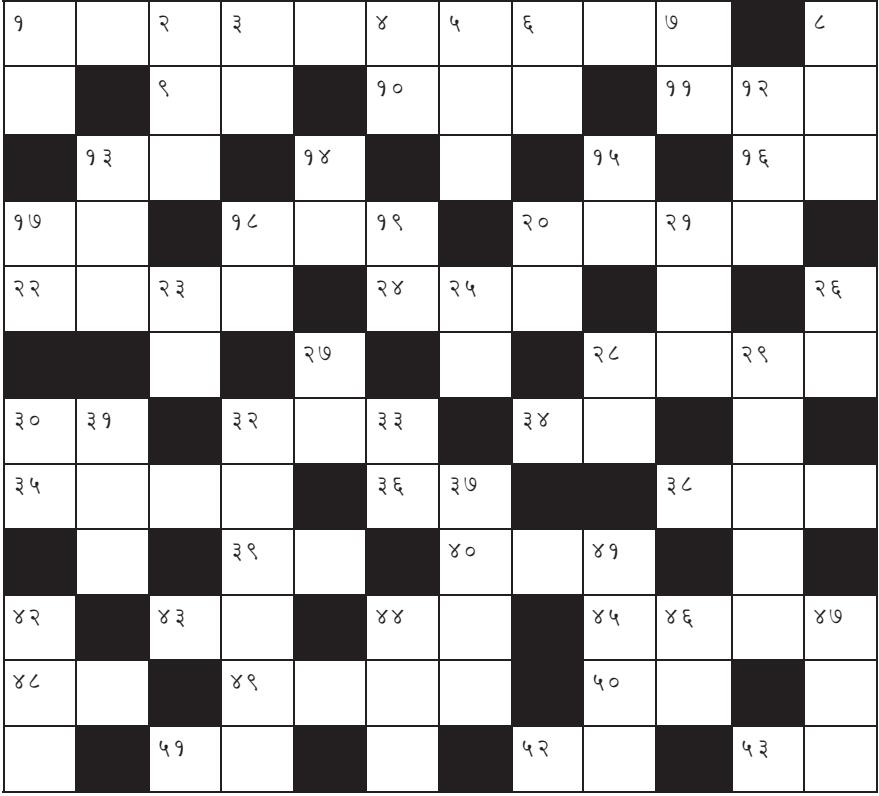
पाड़ और भाजपा का राष्ट्रीय महासांसद विनोद तावडे को राजस्थान के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त किया है, जो राजस्थान के विधायकों से मिलकर रायशुमारी कर विधायक दल की बैठक तुलाएंगे। राजनाथ सिंह का राजस्थान में पर्यवेक्षक बनकर आना अपने आप में बहुत कुछ कहता है। वैसे भी प्रदेश के सभी नेताओं से उनका व्यक्तिगत संरक्षण है। वसुंधरा राजे ने भी राजनाथ सिंह के साथ लंबे समय तक काम किया है। इसलिए राजनाथ सिंह के पर्यवेक्षक बनने के बाद यह अनुमान लगाए जा रहा है कि उनको वसुंधरा राजे को अच्छे से हैंडल करना आता है। जिसे पार्टी ने मुख्यमंत्री बनना तय किया है, वही भाजपा के नवनिर्वाचित विधायक दल का नेता बना जाएगा। हो सकता है आनेवाले समय में वसुंधरा राजे को केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल कर लिया जाए। फिरहाल, तो वह पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनी हुई हैं। ऐसे में देखना होगा कि सरकार के गठन से पहले ही भाजपा में जो गुटजाजी पनपी है। उसे पार्टी मिटा पाती है या नहीं, इसका पता तो आनेवाले समय में ही चल पाएगा।

(लेखक राजस्थान सरकार से
मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।
इनके लेख देश के कई समाचार पत्रों
में प्रकाशित होते रहते हैं।)



लङ्कियां खुबू सूरत जैकेट्स और नई ओडीनी में खूब जंग रही थीं। पुरुषों के ग्रुप में एक से एक मफलर, टोपी, जैकेट, स्वेटर और कोट भी पहने हुए लोग बहुत सुंदर दिख रहे थे। इन सबके बीच हमारा परिवार बिना गर्म कपड़े के पहुंचा था। हमारी हालत दमनीय सी थी, क्योंकि हम मुंबई के मौसम के अंदाज से वहाँ गए थे। पर वहाँ की कड़ोवारार सर्दी ने हमारी सिल्हू-पिण्डी गुम कर दी। परिजनों ने हमारी समस्या को धंप लिया। सभी के सूटकेसेस में अतिरिक्त प्रबंध थे। हमारे लिए किसी ने मफलर, किसी ने कनटोप तो अन्य ने जैकेट, स्वेटर, शॉल आदि का प्रबंध किया। उसे पहनने के बाद हम ठंड से भी बचे और वैसे वस्त्र पहनकर हमें भी बहुत अच्छा लगा। उस घटना के बाद यह समझ में आ गया कि भले ही हम सालभर मुंबई में रहें, लेकिन ठंडी के दिनों में उत्तरी भारत जाने के लिए अच्छी क्वोलिटी के स्वेटर, कानटोपी, मफलर, जैकेट हर तरह के गर्म कपड़े हमारे बैग में होने चाहिए। नहीं तो ठंड हमारी जान पर आफत बनेगी ही। साथ ही वह कमी सबके सामने हमें आत्मगलानि का अहसास भी कराएगी। वैसे भी जमू-कशीर, हिमाचल या उत्तराखण्ड के सैर-स्पारे में हम देखते हैं कि नौकर-चाकर भी एक से एक आकर्षक गर्म कपड़े पहनकर चलकलदमी करते हैं। ठंड के दिनों में ही एक विवाह से पहले लड़केवालों के घर में गांव के कुछ गरीब परिवारों के लोग हफ्तों से मेहमानों की सेवा में लगे हुए थे। लगातार काम करने की वजह से उनके कपड़े मैले-कुचले से रहते थे। जिस दिन बारात जानी थी। उस दिन दोपहर तक तो वे सारे मैले काढ़ी में सक्रिय थे। लेकिन बारात निकलने से ठीक एक घंटा पहले वे सारे काम करवावाले लड़के नहा-धोकर कोट, जैकेट और जूता पहने सज-धजकर पान का बीड़ा मुंह में धोले ऐसे खड़े हुए मानो वे ही मुख बाराती हों। उनमें से एक से किसी ने पानी मांगा तो उसने मना कर दिया और कहा कि कोई काम नहीं करूँगा, अब बारात में जाना है। वे गांव के ही थे। पास-पड़ोस के ही थे। इसलिए वे घर के जैसे ही थे। हफ्ते भर से लगातार दिन-रात काम करने के बाद बाराती बनकर मजा लूटने का उनका अधिकार भी बनता था। उन सभी ने ऐसे शानदार कोट, जैकेट शेरवानी पहनी कि हम भी भौंचके रह गए और अपने वस्त्रों की ओर देखने लगे। इससे हमने देखा कि शादी-ब्याह के मामले में गांव-कर्खों के लोगों का कोई जवाब नहीं। उनमें मुंबईवालों से कहीं ज्यादा बढ़-चढ़कर उत्साह और तैयारी होती है। हम लोग तो मुंबई में यूं ही कोई भी ठीक लगने वाला कपड़ा पहनकर शादी-ब्याह में चले जाते हैं। लेकिन उत्तरी भारत में मौसम के अनुसार कपड़े पहनकर सज-धजकर निकलने का अपना ही अंदाज है। खासकर शादी-ब्याह के मामले में वहाँ के लोग बहुत ज्यादा सलीके से समारोह का हिस्सा बनते हैं। मुझे उत्तर भारत की शादियों में बूढ़े-बुजुर्गों को शानदार शेरवानी, कोट पहने, मफलर लपेटे, जूते चमकाकर पान की गिलोरी खाकर निकलते हुए देखकर उनकी तैयारियों पर ताज़जुब होता है। कई बुजुर्ग जब छड़ी लेकर चलते हैं तो यह लगता है कि कोई रीबदार व्यक्ति आ रहा है। इसलिए जब-जब ठंडी का मौसम आता है तब ग्रामीण इलाकों के खान-पान के अलावा वहाँ के लोजी पकवान, मस्त मनधावन गर्म कपड़े और रौबदार अंदाज में जीवन बिताने के सुख का आनंद उठाने का मन होता है। मुंबई की अत्यंत ही व्यस्त, भीड़भरी और भागमभाग की जिंदगी में वैसा सख्त संभव नहीं है।

(लेखिका स्तंभकार एवं सामाजिक, राजनीतिक मामलों की जानकार हैं।)



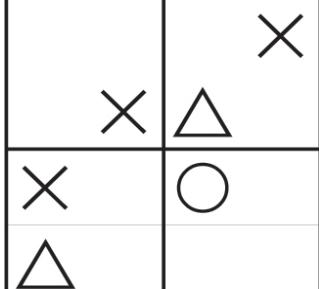
बच्चों का कोना

ऐसे खेले- लोकप्रिय सूडोकू खेल बच्चे भी खेल सकते, इस लिहाज से यहां अंकों और आकृतियों वाले सरल सूडोकू बनाए गए हैं। इसमें बाएं से दाएं व ऊपर से नीचे १ से ४ या ६ तक के अंकों व विभिन्न आकृतियों की इस तरह जमाएं कि किसी भी पंक्ति एवं बाँध में कोई भी रिपीट न हो। हर पहेली का एक ही हल है।

नंबर सूडोकू क्र. २८६

2		1
3	4	
1		4

सिमबोल सूडोकू क्र. २८६



नंबर सूडोकू

1	3	5	4	2
2	4	3	5	1
4	5	2	1	3
3	1	4	2	5
5	2	1	3	4

उत्तर क्र. २८५

सिमबोल सूडोकू

मेष: आपका दिन बहुत ही शानदार ढंग से शुरू होगा। सारे अद्यूत कार्य पूर्ण होंगे। नई योजनाओं की भी तैयारी करेंगे। **वृष:** आपको मिलाजुला फल प्राप्त होगा। समय की व्यवस्था के आधार पर उसे स्वीकार करें। **मिथुन:** आपका दिन बहुत ही शानदार ढंग से प्रारंभ होगा, लेकिन समय का

दुरुपयोग किसी भी प्रकार से न करें। **कर्क:** परिवार के साथ किसी मंदिर में जरूर जाएं, ऐसा करने से परिवारिक प्रेम में प्रगाढ़ता आएगी। **सिंह:** समय अनुकूल है। किसी धर्मस्थल की यात्रा हो सकती है। देव दर्शन करें। **कन्या:** आपके बड़ोंतरी होंगी। आपके संपर्क में अच्छे

4	3	47	48	45	44	
6			49			42
7	1	33	34	40	39	38
	8		31			37
10	15	16	30	28	27	26
11			20	29	25	
13		19				23

नंबर गेम क्र. २८६

15	14	13	12	8	44	45
18	16	11	7	9	43	46
17	19	6	10	49	42	47
3	5	20	40	41	48	32
4	2	21	38	39	33	31
23	22	1	28	37	30	34
24	25	26	27	29	36	35

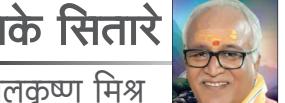
उत्तर क्र. २८५

आपके सितारे

डॉ. बालकृष्ण मिश्र

ज्योतिषाचार्य

देनेवाला है। लेकिन संयम से काम लेना आवश्यक है। तुला: आपके पराक्रम की बड़ोंतरी होगी। आपके संपर्क में अच्छे



बाएं से दाएं

१. राजकपूर निर्देशित इस फ़िल्म में पिंडी कोल्हपुरी चाइल्ट आर्टिस्ट की भूमिका में है। २. औषधी, ३. शंकर, ४. पानी निकालने का एक पात्र, ५. खूबसूरत, ६. मूल्य, ७. बुद्धि, ८. असफल, ९. शहर, १०. घोटाला, ११. केश, १२. रजनी, १३. बोलना, बात, १४. यह बहुत चंचल होता है, १५. मनुष्याव, १६. अंग्रेजी में गुलाब, १७. गाना, १८. सपना, १९. मां का आई, २०. संपत्ति, २१. दबदबा, २२. इस समय, २३. मध्य रेलवे का एक स्टेशन, २४. इसे खाना खाने के बाद चबाते हैं, २५. समय का छोटा भाग, २६. सनसन की आवाज होना, २७. अधर, २८. बैट की जाति का एक पौथा, २९. पाठशाला जहां उर्दू की शिक्षा दी जाती है, ३०. केवल, ३१. सोरावर, ३२. दीया, मोम, ३३. चुप

ऊपर से नीचे

१. अपराधियों को मिलनेवाला दंड, २. अलिंगन का एक भेद, ३. शंकर, ४. पानी निकालने का एक पात्र, ५. खूबसूरत, ६. मूल्य, ७. बुद्धि, ८. असफल, ९. शहर, १०. घोटाला, ११. केश, १२. रजनी, १३. बोलना, बात, १४. यह बहुत चंचल होता है, १५. मनुष्याव, १६. अंग्रेजी में गुलाब, १७. गाना, १८. सपना, १९. मां का आई, २०. संपत्ति, २१. दबदबा, २२. इस समय, २३. मध्य रेलवे का एक स्टेशन, २४. इसे खाना खाने के बाद चबाते हैं, २५. समय का छोटा भाग, २६. सनसन की आवाज होना, २७. अधर, २८. बैट की जाति का एक पौथा, २९. पाठशाला जहां उर्दू की शिक्षा दी जाती है, ३०. केवल, ३१. सोरावर, ३२. दीया, मोम, ३३. चुप

हमसे जुड़िए!

क्या आपके मन में कोई सवाल है? आपके क्षेत्र में कोई समस्या है? आप प्रशासन का उस पर ध्यान चाहते हैं? कोई खबर जो आपकी नजर में हो, हम तक पहुंचाना चाहते हैं? तो हमें तुरंत लिखकर हमारे हॉटसेप्ट नंबर पर अपनी तस्वीर के साथ भेज दीजिए। हम उसे प्रकाशित करेंगे 'दोपहर का सामना' में...!

दोपहर का सामना १२
हमारा हॉटसेप्ट नंबर है: ९३२४१७६७६९
आप भी पत्रकार बनिए और समाज को न्याय दिलाइए!

सू-डो-कू

क्र- २८६

4						5
9		4	6			8
3	2		9	7		4
		1	5			
2	3		7	4		6
3			8		9	
5		6	7		2	5
9					6	6

सूडोकू उत्तर २८६

8	9	6	2	1	3	7	4
1	6	4	5	7	3	8	2
2	3	7	4	9	8	1	6
9	8	6	1	5	4	7	3
5	7	2	9	3	6	4	8
3	4	1	2	8	7	9	5
6	1	3	7	4	2	5	9
7	2	5	8	1	9	6	4
4	9	8	3	6	5	2	1

ऐसे खेलें-

पहेली के बाएं से दाएं व ऊपर से नीचे दिए गए १ से ९ तक से नंबर रखें। इस तरह जमाएं कि कोई भी बाँक्स में भर न रहे। बाँक्स को उत्तर रखिए तो जानकारी न हो। साथ ही लंबवत पंक्ति के बाँक्स में कोई भी नंबर रखिए तो न हो। हर पहेली का एक ही हल है।



ऐसे खेलें- काकूरो संस्थान के बाँक्स से संबंधित रूप है। इसमें सभी बाँक्स को ९ से १ तक से नंबर रखें। ताकि प्रत्येक खेड़े या लंबवत जुड़े सभी बाँक्स में संबंधित संसाधन हों और सभी बाँक्स को उत्तर रखिए। प्रत्येक सभी बाँक्स को ताकि एक संसाधन के बाँक्स में रखा जाए। जो उत्तर सभी बाँक्सों को कुल योग है।

काकूरो उत्तर - २८६

0६:५८ - ०८:१८	शुभ
०८:१८ - ०९:३८	अशुभ
०९:३८ - १०:५९	शुभ
१०:५९ - १२:१९	अशुभ
१२:१९ - १३:३९	शुभ
१३:३९ - १४:५९	अशुभ
१४:५९ - १५:१९	शुभ
१५:१९ - १६:३९	अशुभ
१६:३९ - १७:५९	शुभ
१७:५९ - १८:७९	अशुभ
१८:७९ - १९:१९	शुभ
१९:१९ - २०:३९	अशुभ
२०:३९ - २१:५९	शुभ
२१:५९ - २२:७९	अशुभ
२२:७९ - २३:१९	शुभ
२३:१९ - २४:३९	अशुभ
२४:३९ - २५:५९	शुभ
२५:५९ - २६:७९	अशुभ
२६:७९ - २७:१९	शुभ
२७:१९ - २८:३९	अशुभ
२८:३९ - २९:५९	शुभ
२९:५९ - ३०:७९	अशुभ
३०:७९ - ३१:१९	शुभ

संपादक के नाम पत्र

परेल के फुटपाथ पर फेरी वालों का कब्जा

मध्य रेलवे के परेल रेलवे स्टेशन (पूर्व) में मध्य रेलवे और पश्चिम रेलवे को जोड़ने वाले पब्लिक ब्रिज के सामने जेबी मार्ग है। पश्चिम रेलवे और मध्य रेलवे के परेल स्टेशन पर उत्तरे वाले यात्री पूर्व दिशा में आने-जाने के लिए जेबी मार्ग का उपयोग करते हैं। बता दें कि परेल (पूर्व) में ही टाटा और कई अस्पताल हैं, जहां प्रतिदिन हजारों मरीजों सहित उनके परिजनों का आना-जाना लगा रहता है। पश्चिम और मध्य रेलवे को जोड़ने वाला फुट और ब्रिज काफी संकरा है, जिसकी वजह से इस ब्रिज पर लोगों की काफी भीड़ रही है। पैदल चलनेवाले यात्री जेबी मार्ग के फुटपाथ का उपयोग करते हैं। लेकिन इस फुटपाथ पर अवैध रूप से सैकड़ों फेरी वाले अपनी दुकान लगाते हैं और एक तरह से पूरे फुटपाथ पर कब्जा कर लेते हैं, जिसकी वजह से पैदल चलनेवाले यात्रियों को मजबूरन सड़क से होकर गुजरना पड़ता है। रेलवे स्टेशन से उत्तरे वाले यात्रियों तथा अस्पताल जानेवाले आम नागरिकों की अच्छी-खासी भीड़ सड़क पर हो जाती है। जिसकी वजह से वाहनों के आवागमन में खासी परेशानी होती है। बता दें कि मुंबई मनपा का एफ नॉर्थ वॉर्ड भी बगल में ही है। मनपा में कई बार स्थानीय लोगों ने फेरीवालों को हटाने के लिए शिकायत की है लेकिन मनपा फेरीवालों पर कोई कार्रवाई नहीं करती है, जिसकी वजह से आए दिन सड़क पर पैदल चलने वाले लोगों की वाहन चालकों से झड़प होती रहती है और कई बार लोग वाहनों से टकरा कर घायल भी हो जाते हैं। इसलिए मनपा एफ नॉर्थ वॉर्ड और पुलिस प्रशासन से अपील है कि इस फुटपाथ को फेरीवालों से खाली कराकर पैदल चलनेवाले यात्रियों का फुटपाथ से गुजरना आसान व संभव किया जाए।

- बंदी पवार, परेल, मुंबई



कौई नहीं देखता

अब कोई लौटकर नहीं देखता गुजरता है देखकर नहीं देखता हवा में गुम ढेर पुरानी आवाजें वह अब सुनकर भी नहीं सुनता आंसूओं को पनाह नहीं आंखों में आंसू निकलकर भी नहीं निकलता खोई आवाज को तलाशता हूँ मैं अब गम आवाजें कोई नहीं सुनता पैरों में रिसता लहू देखकर मेरे वह रुक कर भी अब नहीं रुकता लम्हों के साथ गुजरता रहा मैं वक्त मुझे देख अब नहीं हंसता भीड़ में खड़ा हूँ बुत की तरह कोई अब पूछकर भी नहीं पूछता - संजीव ठाकुर, रायपुर



वृक्ष बचाओ
विश्व बचाओ

सुख-दुख सबके भाग में
मत इनसे डरकर भाग,
वृक्षों के समान निडर बनो
एक दिन भाग्य जायेगा जाग!
- डॉ. मुकेश गौतम, वरिष्ठ कवि

पाठकों की पाती

फिजूलखर्ची से चरमरा जाएगी आर्थिक व्यवस्था

'दोपहर का सामना' के पहले पन्ने पर छपी '२०२४ लोकसभा की शुरू हो गई तैयारी सत्ताधारियों को रैंपेराइट की खारेत खबर ईडी सरकार की फिजूलखर्ची से पर्दा उठाने का कार्य कर रही है। दरअसल, अगले साल होनेवाले लोकसभा और विधानसभा चुनाव पर नजर खेलते हुए ईडी सरकार ने कल शीतकालीन सत्र में ५५ हजार करोड़ रुपए की फिजूलखर्ची से विधायिक व्यवस्था चरमराने का कर्तव्य किया था। इसमें सत्ताधारी विधायिकों को निधि की खारेत बांट दी गई है। विधान मंडल के इतिहास में ये सबसे अधिक पूरक मांग है। विकास कार्यों के बहाने 'ईडी' सरकार की इस नामज्ञी से वर्ष २०२३-२४ के भारी फिजूलखर्ची से महाराष्ट्र की आर्थिक व्यवस्था चरमराने की संभावना है, जो कि गलत है।

२०२४ लोकसभा की शुरू हो गई तैयारी
सत्ताधारियों को रैंपेराइट की खारेत खबर!

विधायिक व्यवस्था के लिए एक बड़ी चुनावी तैयारी जा रही है। इसमें सत्ताधारियों को रैंपेराइट की खारेत खबर एवं विधायिक व्यवस्था के लिए एक बड़ी चुनावी तैयारी जा रही है। इसमें सत्ताधारियों को रैंपेराइट की खारेत खबर एवं विधायिक व्यवस्था के लिए एक बड़ी चुनावी तैयारी जा रही है। इसमें सत्ताधारियों को रैंपेराइट की खारेत खबर एवं विधायिक व्यवस्था के लिए एक बड़ी चुनावी तैयारी जा रही है।

- रागिनी बघेल, सानपाड़ा

आइए देखते हैं उकाई

जल काग के जरिए मछलियों को पकड़ते हैं जापानी मछुआरे

मनमोहन सिंह

रत के ८ बज रहे हैं... जापान की नागरा नदी पर नौकाएं तैर रही हैं। नौकाएं पर्यटकों से भरी हैं। नौकाओं के पास मशालें जल रही हैं। अंधेरे वातावरण में जलती हुई मशाल की परछाई से नदी के शांत वातावरण में हलचल सी मध्य जाती है। यह मछलियां हैं जो रोशनी से आकर्षित होकर जमा हो रही हैं। नौकाओं में रसी से जल काग बंधे हुए हैं। दर्जनों जल काग तो रातों से उड़ते हैं और पानी में डाइव करते हैं। कुछ समय के बाद उन्हें खींच लिया जाता है। सारे के सारे जल काग नौका के बीच बने डेक पर खड़े हैं। उनकी चोंच में मछलियां हैं और मछुआरे उनकी चोंच से मछलियां निकालकर जमा कर रहे हैं। जल काग द्वारा मछलियों को पकड़ना 'उकाई' कहलाता है, जो जापान की एक प्राचीन परंपरा है और उकाई देखने को यहां पर पर्यटकों की भीड़ जमी है।



असर नदियों पर भी पड़ा है। पानी अपेक्षित गर्म होने लगा है, जिसकी वजह से मछलियां कम होती जा रही हैं। अब उकाई परंपरा सिर्फ कुछ लोगों तक ही सीमित है और इसका उपयोग पर्यटन का मनोरंजन करने के लिए किया जा रहा है। इस शो को देखने के लिए १,८०० यान चुकाने पड़ सकते हैं।



लगभग १,३०० वर्षों से जापान में जल काग के जरिए मछलियां पकड़ी जाती रही हैं। यह मछली पकड़ने का एक पारंपरिक तरीका है, जो चीन से आता है। वास्तव में, मछुआरे जल काग को पालते और प्रशिक्षित करते हैं, ताकि वे उनके लिए मछलियां पकड़ सकें। मछुआरे जल काग के गले में इतनी कसकर रसी बांधते हैं कि पक्षी

बढ़ी मछली को नहीं, बल्कि छोटी मछली को निगल सकते। यह परंपरा जापान में चीन से आई है। जल काग मछली पकड़ने का काम अंधेरे में किया जाता है। मछुआरे को नाव के सामने आग जलानी पड़ती है, जिससे मछलियां प्रकाश की ओर आकर्षित होती हैं और फिर पक्षी मछली को अपने गले में पकड़ लेता है। जब मछली जल काग के खांचे में होती है, तो मछुआरा अपने पक्षी की रसी से बांधकर नाव पर लाता है और पक्षी मछली उगल देता है।

आप भी अपनी बात, कविता, लेख, छायाचित्र, कार्टून आदि के माध्यम से अभियूत कर सकते हैं पर आपकी रचना मौलिक होनी चाहिए। हमारा पता...
आप भी अपनी बात, कविता, लेख, छायाचित्र, कार्टून आदि के माध्यम से अभियूत कर सकते हैं पर आपकी रचना मौलिक होनी चाहिए। हमारा पता...



दोपहर का सामना

सदगुरु दर्शन, नागू सयाजी वाडी,
दैनिक सामना मार्ग, न्यू प्रभादेवी, मुंबई ४०००२५

९३२४९७६७६९

नमस्ते सामना! स्तंभ में प्रकाशित सभी लेख पाठकों के निजी विचार हैं। इनसे निवासी संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है।



'घाती' सरकार की लापरवाही

'दोपहर का सामना' में छपी 'घाती' सरकार का कारनामा, अस्पताल को लौटेनी पर छाया अंधेरा! खबर वर्तमान की शिरो-फडणवीस-अजीत दादा की सरकार की लापरवाही का उदाहरण पेश करने का कार्य कर रही है। दरअसल, अगले साल होनेवाले लोकसभा और विधानसभा चुनाव पर नजर खेलते हुए ईडी सरकार ने कल शीतकालीन सत्र में ५५ हजार करोड़ रुपए की फिजूलखर्ची से विधायिक व्यवस्था चरमराने का कर्तव्य किया था। इसमें सत्ताधारी विधायिकों को निधि की खारेत बांट दी गई है। विधान मंडल के इतिहास में ये सबसे अधिक पूरक मांग है। विकास कार्यों के बहाने 'ईडी' सरकार की इस नामज्ञी से वर्ष २०२३-२४ के भारी फिजूलखर्ची से महाराष्ट्र की आर्थिक व्यवस्था चरमराने की संभावना है, जो कि गलत है।

- राकेश सोनी, सायन

सवाल हमारे ? जवाब आपके!

पांच राज्यों का चुनाव खत्म होते ही सरकार ने एलपीजी सिलिंडर के दामों में वृद्धि कर दी है। महंगाई के बोझ तले दबी जनता पर महंगाई का बम फोड़ना कितना उचित है?

● गंदी राजनीति का अंत होना चाहिए भाजपा के वारे केवल चुनाव तक ही सीमित होते हैं।

चुनाव के पहले भाजपाई बड़े-बड़े वारे करते हैं और चुनाव खत्म होते ही वे अपना वादा भूल जाते हैं। भाजपा की इस गंदी राजनीति का अंत होना ही चाहिए।

- रुपाली देशमुख, कल्याण

● भाजपा की कथनी व करनी में फर्क

भाजपा सत्ता हासिल करने के लिए किसी भी हाद

तक गिर सकती है। महाराष्ट्र में सत्ता के लिए तोड़फोड़ कर महाराष्ट्र की राजनीति को भाजपा ने करांकित कर दिया है। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव हों या लोकसभा चुनावों को देखते हुए लोगों को रेवाड़ियां बांटनी शुरू कर दी गई हैं। चुनाव के पहले सिलिंडर के दाम कम किए गए थे लेकिन चुनाव खत्म होते ही फिर से दाम बढ़ने लगे हैं। तमाम तरह के प्रलोभन देने का काम शुरू है।

- प्रमोद अग्रवाल, उल्हासनगर

● सपने दिखाकर वोट लेती है भाजपा

भाजपा जनता को 'अच्छे दिन' का सपना दिखाकर वोट तो लेती है। लेकिन सरकार बनते ही जनता के ऊपर महंगाई लात देती है। रविवार को पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ने से बस किराया, आयात, निर्यात, खाने-पीने वाली वस्तुओं सहित कपड़ों के दामों में वृद्धि हो गई है। आज एक नींबू दस रुपए का मिल रहा है। प्राइवेट स्कूलों में फीस वृद्धि के आदेश दे दिए गए। जरूरी दवाइयों के दाम बढ़ाकर सरकार ने मरीजों पर भी अत्याचार बढ़ा दिया है। सिलिंडर को महंगा करने के साथ ही माचिस महंगा, सरसों का तेल महंगा, कापी-किटाब महंगा, चावल, दाल और आटा महंगा होने के साथ ही हर जरूरत के सामान को महंगा कर सरकार जनता के साथ अत्याचार ही कर रही है।

- प्रमोद यादव, मुंबई

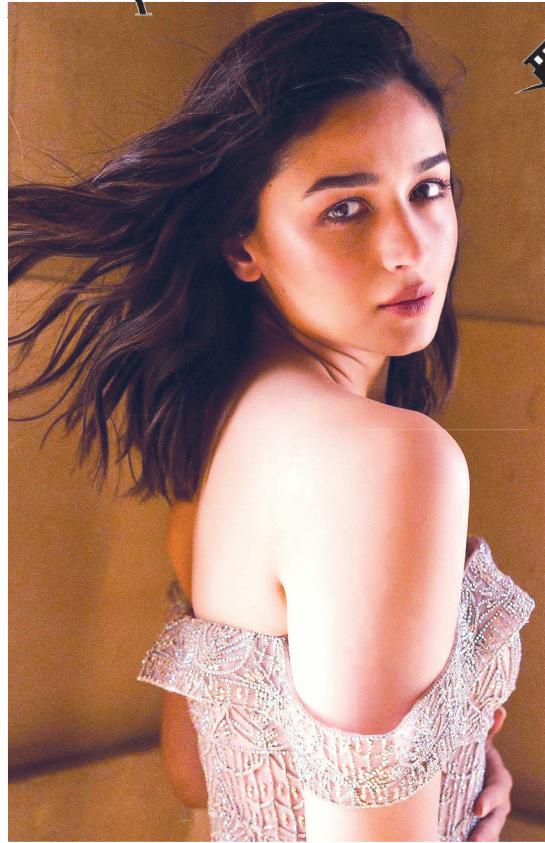
● इस तरह के अत्याचार बंद करे सरकार

देश-प्रदेश की जनता अभी वैश्विक महामारी के आपदा काल से भी नहीं निपट पाई कि सरकार ने जनता पर महंगाई लात कर उत्तराधीनी की आग में झोकना शुरू कर दिया है, जिससे परेशान होकर लोग आत्महत्या तक करने को मजबूर हैं। खाने-पीने की वस्तुओं सहित कपड़ों के दामों में वृद्धि हो गई है। पड़े-लिखे नौजवानों को नौकरी नहीं मिल रही है, जिससे वे अपनी जीवन की दृष्टि का बदला ले रहे हैं। इसके बावजूद जनता के साथ अत्याचार करना बंद करे।

- संजय वर्मा, ठाणे

● सिलिंडर की बढ़ी कीमतों को बापस ले

सिलेंडर की कीमत में की गई बड़ोत्तरी सिलेंडर के दाम को साल २०१४ के समय रही कीमत के बराबर लाना चाहिए। पिछले १० सालों में सबसीडी वाली रसोई गैस के दाम में ५८५ रुपए की बढ़ती



करंट गोल्डन ब्यूटी

खूबसूरत अदाएं, आंखों में चमक, चेहरे पर हल्की मुस्कान और ब्यूटी विश्व ब्रेन का परफेक्ट कॉम्बिनेशन है अलिया भट्ट। उनकी अदाकारी हो या खूबसूरती, हर कोई उन्हें देखकर अपना दिल हार जाता है। शादी के पहले और शादी के बाद भी सुर्खियां बटोरेवाली आलिया को बॉलीवुड में आए १९ साल बीत चुके हैं लेकिन उनके ग्लैमर का जादू अभी भी बरकरार है। आज भी वे उतनी ही क्यूट और हॉट नजर आती हैं। उनकी एक मुस्कान के आज भी करोड़ों दीवाने हैं वैसे तो एक्ट्रेस हमेशा ही बोल्ड एंड ब्यूटीफुल नजर आती हैं, लेकिन इस बार उनके लैम अवतार ने उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा दिए हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर रेड किल्म केस्टिंगल से अपने लुक की तस्वीरें फैस के लिए शेयर की हैं। लेटेस्ट फोटोज में आलिया गोल्डन कलर की चमचमाती ड्रेस पहने दिखाई दे रही हैं। आलिया के लुक पर फोकस करें तो एक्ट्रेस ने हमेशा की तरह कम हैवी दिखाने वाला मेकअप कैरी किया है। आलिया ने अपनी नई फोटोज के साथ कैप्शन भी दिया है, जिसमें उन्होंने लिखा है, 'स्माइल...स्पार्कल...'। सजदी। आलिया की नई फोटोज पर नेटीजन्स खूब कमेंटबाजी कर रहे हैं। कोई एक्ट्रेस की ब्यूटी कीन बता रहा है तो कोई उनके ड्रेसिंग सेंस की तारीफ कर रहा है।



तूने मारी एंटी और...

रंगों में सबसे हसीन रंग है

गुलाबी... जो रंगत की ओर भी अधिक निखार देता है। ऐसे में जरा आप ही सोचिए, बॉलीवुड की ब्यूटी कीन दिशा

पाटी अगर गुलाबी रंग के लिबास में नजर आ जाए तो इसे क्यामत ही कहा जाएगा न...

एक इवेंट के दौरान दिशा ने जैसे ही एंटी मारी वहां मौजूद सभी की निगाहें उन्हें पर टिकी की रही गई।

बॉबी डॉल बनी दिशा का अंदाज बेहद हृष्टके नजर आया। वैसे भी फैशन और स्टाइल में उन्हें कोई मात नहीं दे सकता। इस मामले में उन्हें पछाड़ा मुश्किल ही नहीं नामूमकिन भी है।

स्टाइलिश ड्रेस, हाई हील्स, खुले बाल और नो ज्वेलरी लुक में भी दिशा ने वो कहर बाया कि सोशल मीडिया पर वायरल इन तस्वीरों पर हर कोई प्यार लुटाता दिखा। कहाँ ने तो उन्हें बॉलीवुड की ब्यूटीफुल कीन तक कह दिया। वैसे बता दें कि दिशा भले ही फिल्मों से सुर्खियां न बटोरती हीं लेकिन उनके फैशन का जलवा हमेशा नजर आता है।

३०० करोड़ का जैकपॉट

अपनी मखमली खूबसूरती के लिए पहचानी जानेवाली उर्शी रौतेला के हाथ ३०० करोड़ का जैकपॉट लगा है। मीडिया रिपोर्टर्स की मानें तो एक्ट्रेस साउथ

आँकड़े कड़क फाइटर

नस्कीन रोमांस और धमाकेदार एक्शन

के लिए पहचाने जानेवाले

एक्ट्रिक रोशन जल्द ही फिल्म 'फाइटर' में नजर आनेवाले हैं। लोग इस फिल्म का बड़ी बेसब्री के साथ इंतजार कर रहे हैं। इसी बीच यार, एक्शन और देखभाइ से लबरेज 'फाइटर' का टीजर मेकर्स ने जारी कर दिया है। एक्ट्रिक रोशन, दीपिका पांडुकोण के साथ अनिल कपूर भी इस फिल्म में मुख्य भूमिका में नजर आनेवाले हैं। एक मिनट ९३ सेकंड लंबे 'फाइटर' के

टीजर में फाइटर जेट्स का एरियल एक्शन



दिखाया गया है, जिसे देख सांसें थम जाएंगी। इतना ही नहीं इस टीजर में ऋतिक

और दीपिका की लव-स्टोरी भी लोगों को लुभा रही है। फिल्म 'फाइटर' एक एक्शन फिल्म है, जिसमें दीपिका और ऋतिक स्ववाहन लीडर नजर आने वाले हैं। वहीं, अनिल कपूर युपर फैप्टन राकेश जय सिंह यानी रॉकी के रोल में नजर आने वाले हैं। 'एनिमल' के बाद अनिल कपूर की ये लगातार

दूसरी बड़ी फिल्म है।

हैप्पी बर्थडे हीमैन

बॉलीवुड के 'हीमैन' कहे जानेवाले धर्मेंद्र ने शुक्रवार को अपना ८८वां जन्मदिन मनाया। हर बार की तरह इस बार भी उन्होंने अपना बर्थडे फैंस के बीच केक काटकर मनाया। इस दौरान फैंस ने उनपर फूल और यार दोनों बरसाए। धर्मेंद्र के साथ घर के बाहर केक काटने के लिए उनके बड़े बेटे सनी देओल भी आए। बता दें कि धर्मेंद्र के डाय हार्ट फैन उनके लिए सात टायर का बड़ा केक लेकर आए थे। दरअसल, हर साल जन्मदिन की रस्म के तौर पर धर्मेंद्र अपने फैंस को बुलाते हैं और उनके साथ केक काटते हैं। धर्मेंद्र के जन्मदिन के मौके पर उनके दोनों बेटों सनी देओल और बॉबी देओल ने उन्हें इंस्टाग्राम पर बर्थडे विश किया, जहां सनी ने सोशल मीडिया पर 'लंग यू पापा' कहा तो वहीं, बॉबी ने लिखा- मैं आपसे बहुत यार करता हूं पापा, आपका बेटा बनकर धन्य हूं।



द्वू नॉट डिस्टर्ब!

फिल्म 'डंकी' और 'फिर आई हसीन दिलरुबा' की शूटिंग पूरी करने के बाद तापसी पन्ने इन दिनों अपने फेवरेट वेकेशन प्लॉस मालदीव में आराम करारा रही हैं। दरअसल, उन्होंने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपने वेकेशन की कुछ फोटोज शेयर करते हुए लिखा है, 'फिल्म 'डंकी' और 'फिर आई हसीन दिलरुबा' की शूटिंग खत्म करके मैं अपनी फेवरेट जगह पर हूं। इस छुट्टी की मुझे बेहद दरकार थी। ये वही जगह है, जिसे देखते ही पहली नजर में मुझे इससे प्यार हो गया था।'

बहरहाल, बैक टू बैक दो फिल्मों की शूटिंग करने के बाद एक्ट्रेस का एक लंबा ब्रेक तो बनता है और इस लंबे ब्रेक में उन्हें कोई डिस्टर्ब ना करें। वैसे तापसी जस्ट इंजॉय यू और वेकेशन...



सुपरस्टार के साथ एक फिल्म में नजर आनेवाली हैं। खास बात यह है इस फिल्म में उनके साथ बॉबी देओल भी होंगे। ३०० करोड़ की

फिल्म और बॉबी का साथ

इसे तो जैकपॉट ही कहेंगे ना...! एक मीडिया रिपोर्टर्स की मानें तो बॉबी और उर्वशी एनबीके ९०९ में अहम भूमिका में नजर आएंगे। यह भी कहा जा रहा है कि इस फिल्म में बॉबी और साउथ सुपरस्टार नंदमुरी बालकृष्ण दो-दो हाथ करते नजर आएंगे। इस मूरी में उर्वशी एनबीके ९०९ में नंदमुरी बालकृष्ण के अपोजिट मुख्य किरदार निभाएंगी। आपको बता दें कि कुछ हफ्ते पहले ही फिल्म एनबीके ९०९ का पहला पोस्टर रिलीज किया गया था। फर्स्ट पोस्टर में एक बॉक्स बन हुआ था, जिसमें खूब सारे वेपन्स और कुलाहाड़ी रखी हुई थी। इस पोस्टर को शेयर करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा, 'ब्लड बाथ का ब्रांड नेम, वॉयलेंस का विजिटिंग कार्ड।' वैसे उर्वशी तुम्हें मानना पड़ेगा, बॉलीवुड में तुम्हारी फिल्में चलें न चले, लेकिन तुम्हारा जलवा हर तरफ नजर आता है।